PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 196 ● भिलाई, मंगलवार 10 फरवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

अवैध रूप से रह रहे 4 बांग्लादेशी गिरफ्तार, डिपोर्टेशन की प्रक्रिया शुरू

मुंबई। मुंबई पुलिस की कुरार इकाई को अवैध रूप से भारत में रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मलाड पूर्व के पठानवाड़ी इलाके में छापेमारी कर चार बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि ये सभी बांग्लादेशी नागरिक लंबे समय से फर्जी पहचान के सहारे यहां रह रहे थे। पुलिस के अनुसार, कुरार पुलिस स्टेशन के एटीसी (एंटी-टेरर सेल) अधिकारी को सूचना मिली थी कि कुछ बांग्लादेशी नागरिक मलाड ईस्ट के पठानवाड़ी क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे हैं और नकली दस्तावेजों के आधार पर स्थानीय पहचान बनाकर जीवन यापन कर रहे हैं। सूचना के आधार पर कुरार पुलिस और एटीसी टीम ने संयुक्त अभियान चलाते हुए 2 से 6 फरवरी के बीच इलाके में कई स्थानों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान चार संदिग्धों को मौके से हिरासत में लिया गया। पूछताछ में सभी ने खुद को बांग्लादेश का नागरिक स्वीकार किया।

जैसलमेर में चलती ट्रेन में लगी आग, किसी के हताहत होने की खबर नहीं

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर में रविवार को एक चलती ट्रेन में आग लग गई, जिससे चारों तरफ अफरा-तफरी मच गई। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और आग पर काबू पा लिया गया है। दरअसल, स्वर्ण नगरी एक्सप्रेस के एक कोच के नीचे आग लग गई, जो दिल्ली से जैसलमेर जा रही थी। यह घटना जैसलमेर के जेठा चंदन रेलवे स्टेशन के पास हुई। एक अधिकारी ने बताया कि जैसे ही लोको पायलट को खतरा महसूस हुआ, उसने समझदारी दिखाते हुए तुरंत ट्रेन को एक सुरक्षित जगह पर रोक दिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। जैसे ही ट्रेन रुकी, रेलवे स्टाफ ने तुरंत आग बुझाना शुरू कर दिया। फायर एक्सटिंग्विशर और दूसरे उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल करके, स्टाफ ने कुछ ही समय में आग पर काबू पा लिया। ट्रेन में सवार यात्रियों को कुछ समय के लिए घबराहट हुई। अधिकारियों ने आगे बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

अलवर में मानवता शर्मसार, कन्या भ्रूण मिलने से हड़कंप

अलवर। राजस्थान के अलवर जिले में महिला भ्रूण हत्या का एक मामला सामने आया है। रविवार को पुलिस ने एक प्लास्टिक के बंडल से आठ महीने की बच्ची का भ्रूण बरामद किया, जिससे लोगों में गुस्सा है। इस घटना के बाद सामाजिक जागरूकता और पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं।यह घटना उस वक्त सामने आई जब गोविंदगढ़ इलाके में बरोली और न्याना गांवों के बीच झाड़ियों में सलवार और पॉलिथीन में लिपटा एक बंडल मिला। बताया जा रहा है कि बंडल गुरुवार को देखा गया था। हालांकि, लोगों ने इसे कचरा समझकर नजरअंदाज कर दिया था।

पांच साल में विकसित बनेगा बस्तर

भारत की संस्कृति का आभूषण है बस्तर-केंद्रीय गृहमंत्री शाह

■ बस्तर की संस्कृति को नए प्राण देने का कार्य कर रही छत्तीसगढ़ सरकार

रायपुर/ संवाददाता

केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि बस्तर भारत की संस्कृति का आभूषण है। बस्तर पण्डुम के माध्यम से यहां की संस्कृति और गौरवशाली परंपरा को छत्तीसगढ़ सरकार ने नए प्राण देने का काम किया। बस्तर पंडुम 2026 के सभी विजेताओं को केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह और मुख्यमंत्री श्री साय ने सम्मानित किया। केंद्रीय गृहमंत्री ने बताया कि इसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले लोक कलाकारों को राजधानी दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में आमंत्रित किया जाएगा, जहां उन्हें अपनी कला का प्रदर्शन करने और सहभोज करने का अवसर भी मिलेगा। केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह ने जनजातीय कला एवं संस्कृति का संरक्षण और संवर्धन तथा जनजातीय प्रकृति व परंपरा का उत्सव बस्तर पण्डुम के तीन दिवसीय संभाग स्तरीय आयोजन के समापन अवसर पर आज जगदलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर संभाग के 07 जिले के 32 जनपद पंचायतों और 1885 ग्राम पंचायतों के 53 हजार से अधिक लोक कलाकारों ने

12 विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इन्हीं लोक संस्कृति को आगे बढ़ाने का कार्य बस्तर पण्डुम 2026 के माध्यम से राज्य की सरकार द्वारा किया जा रहा है। श्री शाह ने कहा कि बस्तर जैसी संस्कृति विश्व के किसी देश में नहीं है और इसे प्रभु श्री राम के समय से संजोकर यहां के लोगों ने अक्षुण्ण बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश के 700 से अधिक जनजातियों की आदिवासी संस्कृति और पारंपरिक विरासतों को पुनर्जीवित करने धरती आबा योजना और पीएम जनमन योजना जैसी अनेक योजनाएं लागू की। श्री शाह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हमारी लड़ाई किसी से नहीं बल्कि यहां की भोली-भाली आदिवासी जनता को सुरक्षा देना है। माओवाद उन्मूलन की समय सीमा अभी भी वही है। जवानों के अदम्य साहस और बहादुरी से 31 मार्च 2026 तक हो माओवाद को घुटने टेकने पड़ेंगे। उन्होंने प्रदेश में संचालित की जा रही नक्सल पुनर्वास नीति की सराहना करते हुए कहा कि पुनर्वास केंद्रों में उन्हें रोजगारमूलक और सृजनात्मक गतिविधियों से भी जोड़ा जा रहा है। केन्द्रीय गृहमंत्री ने कहा कि नियद नेल्ला नार योजना के तहत प्रदेश सरकार लगातार माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में रोडमैप तैयार कर सड़क, पुल पुलिया, मोबाईल टॉवर स्थापित करने के साथ-साथ राशन वितरण, शुद्ध पेयजल, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड बना रही है।

बस्तर तरक्की की एक नई सुबह देखने को मिल रही है

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर की सुंदर धरती लंबे समय तक नक्सलवाद की पीड़ा से गुजरी है। गौर, माड़िया, मुरिया, भतरा, धुरवा, गोंड जैसे विभिन्न नृत्य की लय धीमी पड़ गई थी, मांदर की थाप खामोश हो गई थी, लेकिन आज बस्तर बदल रहा है। यहां तरक्की की एक नई सुबह देखने को मिल रही है। श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में केंद्र और राज्य सरकार मिलकर नक्सलवाद के खिलाफनिर्णायक लड़ाई लड़ रही है और मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से खत्म करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों ने घने जंगलों में, विपरीत परिस्थितियों में, अपनी जान की परवाह किए बिना नक्सलवाद पर कड़ा प्रहार कर रहे हैं। नियद नेल्ला नार - (आपका अच्छा गांव) योजना के माध्यम से सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं गांव में पहुंचाई हैं।

शरद की बारामती में बिगड़ी तबीयत

सांस लेने में तकलीफ अस्पताल में हुए भर्ती

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख व वयोवृद्ध नेता शरद पवार की सेहत अचानक खराब होने के बाद उन्हें बारामती से पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। शरद पवार को खांसी और सांस लेने में परेशानी जैसी शिकायतें हैं। यह जानकारी उनके कार्यालय की ओर से दी गई है। हालांकि अभी उनकी सेहत की गंभीरता को लेकर कोई आधिकारिक विवरण नहीं आया है। डॉक्टर उनकी स्थिति का पूरा निरीक्षण कर रहे हैं और जरूरी मेडिकल जांचें की जा रही हैं। बता दें कि शरद पवार महाराष्ट्र और भारत की राजनीति के सबसे

प्रभावशाली और अनुभवी नेताओं में से एक हैं। वे राष्ट्रीय कांग्रेस से अलग होकर 1999 में राष्ट्रीय जनता दल (एनसीपी) के संस्थापक भी रहे। पवार ने महाराष्ट्र में लंबे समय तक सक्रिय राजनीति की है और कई बार राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

छतीसगढ़ में दो हादसे

खरोरा में चलती बस बनी आग का गोला,तो रायपुर में कार से भी उठी लपटें; बच गई 56 की जान.......

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में सोमवार की सुबह यात्रियों से भरी बस में अचानक आग लग गई। आनन-फानन में बस में सवार 50 यात्रियों को बाहर निकाला गया। ड्राइवर की सूझबूझ से सभी 50 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। घटना खरोरा थाने क्षेत्र की है। इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। हालांकि बस पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। 50 यात्रियों को लेकर बस बलौदाबाजार जिले से रायपुर के लिए निकली थी। राजधानी ट्रैवल्स में करीब 50 यात्री सवार थे। बताया जाता है कि भैंसा गांव के पास बस के इंजन में अचानक धुआ निकलने लगा। देखते ही देखते बस में अचानक से आग लग गई। इस पर ड्राइवर

ने फौरन कदम उठाते हुए बस के दरवाजे खोल दिए और यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकलने के लिए कहा। धीरे-धीरे करके सभी 50 यात्री बाहर निकल गए। यात्रियो के निकलने के बाद बस कुछ ही देर में पूरी तरह से जलक रखाक हो गई। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि ड्राइवर ने समय पर बस को रोक दी और सभी 50 यात्रियों को जिनमें, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सवार थे। सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया नहीं ,तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था। लोगों की सूचना पर पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम किया गया।

इधर, रायपुर में भी कार में लगी आग

दूसरी ओर राजधानी रायपुर में भी तेलीबांधा थाने क्षेत्र में एक कार में आग लग गई। कार में सवार छह लोग किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। इस घटना में किसी प्रकार की जनक्षति नहीं हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना राजधानी के अग्रसेन चौक के पास की है।

राहुल गांधी को न बोलने देने का आरोप

ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी में विपक्ष...

नई दिल्ली/ एंजेसी

संसद के बजट सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच चल रहा गतिरोध अब एक बड़े टकराव में बदल गया है। विपक्षी दलों ने एकजुट होकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की योजना बनाई है। सूत्रों के अनुसार, विपक्षी दल इस बात से नाराज हैं कि उन्हें, विशेषकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को, सदन में बोलने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया जा रहा है। संसद के गलियारों से बड़ी खबर आ रही है कि कांग्रेस सहित कई विपक्षी दल लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ

अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए लामबंद हो गए हैं। विपक्षी दलों के बीच इस प्रस्ताव को लेकर सहमति बन चुकी है और अब इस पर सदस्यों के हस्ताक्षर होने बाकी हैं। हालांकि, अभी तक किसी भी पार्टी ने आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा नहीं की है, लेकिन सदन के भीतर विपक्षी सांसदों का आक्रामक रुख इस ओर स्पष्ट इशारा कर रहा है। सोमवार को बजट सत्र के नौवें दिन की शुरुआत बेहद हंगामेदार रही। सदन की बैठक शुरू होते ही स्पीकर ओम बिरला ने सबसे पहले अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम को बधाई दी, जिसका सभी सदस्यों ने मेजें थपथपाकर स्वागत किया। लेकिन जैसे ही प्रश्नकाल शुरू हुआ, कांग्रेस के सदस्य नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने देने की अनुमति मांगने लगे। हंगामा इतना बढ़ गया कि सदन की कार्यवाही शुरू होने के मात्र पांच मिनट बाद ही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।

लक्की ओबराय के हत्यारोपी का एनकाऊंटर, पैर में लगी गोली, गिरफ्तार

अमृतसर। अमृतसर देहाती पुलिस को देर रात एक बड़ी कामयाबी मिली।। जालंधर में कल कत्ल किए गए ?आम आदमी पार्टी के नेता लक्की ओबेरॉय के हत्यारोपी का अटारी बॉर्डर के पास एनकाउंटर कर दिया गया। डीआईजी बॉर्डर रेंज संदीप गोयल, एसएसपी अमृतसर रूरल, एसपीडी, डीएसपी अटारी यादविंदर सिंह, एसएचओ अमनदीप सिंह, एसआई राजबीर सिंह मौके पर पहुंचे और पुलिस द्वारा एनकाउंटर किए गए लक्की ओबेरॉय के हत्यारे की पहचान जालंधर के पास मॉडल टाउन मिट्ठापुर के रहने वाले शमिंदर सिंह के रूप में की। खबर लिखे जाने तक मिट्ठापुर जालंधर से सीनियर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने जांच शुरू की।?पुलिस एनकाउंटर में वह गंभीर रूप से घायल हो गया और पुलिस उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गई है।

विपक्ष के भारी हंगामे के बीच लोकसभा ठप

मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए कार्यवाही स्थगित किया...

नई दिल्ली/ एंजेसी

संसद के मौजूदा सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच चल रहा गतिरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही एक बार फिर भारी हंगामे की भेंट चढ़ गई, जिसके कारण अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। सोमवार सुबह जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी सांसद विभिन्न मुद्दों को लेकर नारेबाजी करते हुए सदन के बीचों-बीच (वेल) में आ गए। विपक्षी दल हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों

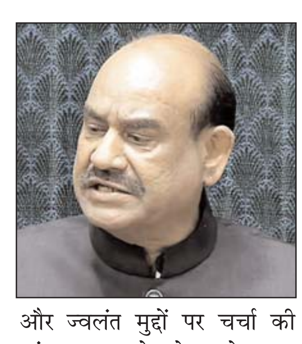

और ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की मांग पर अड़े थे। लोकसभा अध्यक्ष ने सांसदों से अपनी सीटों पर लौटने और प्रश्नकाल चलने देने की बार-बार अपील की, लेकिन शोर-शराबा बढ़ता ही गया। सदन में अव्यवस्था को देखते हुए अध्यक्ष ने कहा कि सदन चर्चा और संवाद के लिए है, नारेबाजी के लिए नहीं। देश की जनता चाहती है कि उनके मुद्दों पर सदन में बात हो। हालांकि, विपक्षी सदस्यों के कड़े तेवर और लगातार होती नारेबाजी के कारण सदन की गरिमा को बनाए रखना मुश्किल हो गया। इसके बाद कार्यवाही को पहले अल्पकाल के लिए और फिर अंततः पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया गया।लगातार हो रहे हंगामे के कारण कई महत्वपूर्ण विधेयकों और जनहित के मुद्दों पर होने वाली चर्चा बीच में ही लटक गई है। मंगलवार को सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होगी, जहाँ उम्मीद जताई जा रही है ।

परीक्षा पे चर्चा के दूसरे सत्र

पीएम मोदी ने छात्रों को दिए गुरुमंत्र कहा-सीखना एक सफर....

नयी दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि विद्यार्थियों को अपने आप को प्रौद्योगिकी का गुलाम नहीं बनने देना चाहिए, बल्कि इसका उपयोग अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए करना चाहिए। मोदी ने 'परीक्षा पे चर्चा' के दूसरी कड़ी में कहा कि मोबाइल फोन उन कुछ बच्चों के मालिक बन गए हैं, जो उनके या टेलीविजन स्क्रीन के बिना खाना भी नहीं खा सकते। मोदी ने कोयंबटूर, रायपुर, गुवाहाटी और गुजरात में विद्यार्थियों से हुई बातचीत में कहा, इसका मतलब है कि आप मोबाइल के गुलाम बन गए हैं। आपको यह दृढ़ संकल्प लेना होगा कि आप अपने आप को प्रौद्योगिकी का गुलाम नहीं बनने देंगे। प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों से न डरें, बल्कि उनका उपयोग अपने कौशल को निखारने और अपनी क्षमता को बढ़ाने के लिए करें। उन्होंने कहा, हमें एआई या मोबाइल को सर्वोपरि बनाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए; कुछ बच्चे स्मार्टफोन देखे बिना खाना नहीं खाते। हम एआई का कुशलतापूर्वक उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए पिछले प्रश्न पत्रों का अभ्यास करने और पर्याप्त नींद लेने का भी आग्रह किया।मोदी ने कहा, परीक्षाओं की अच्छी तैयारी करने के बाद आपको कभी तनाव महसूस नहीं होगा। रात में अच्छी नींद लेने से आप दिन भर खुश रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह देखकर उन्हें प्रसन्नता हुई कि देश

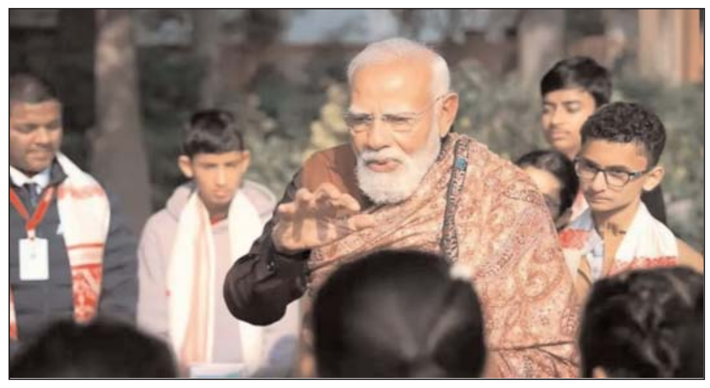

के 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्र भी विकसित भारत 2047 के सपने को अपने मन में संजोए हुए हैं।उन्होंने कहा, यह मेरे लिए अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। हमें विकसित देशों की आदतों को अपनाना चाहिए —हमें लाल बत्ती पर इंजन बंद करना चाहिए, भोजन नहीं छोड़ना चाहिए और भोजन की बर्बादी कम करनी चाहिएज् अनुशासन हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण हैज्। प्रधानमंत्री ने अपने छात्र जीवन में अपने शिक्षकों की भूमिका और स्वस्थ रहने के लिए व्यायाम पर उनके जोर को याद किया। उन्होंने कहा, अगर आप किसी भी महान व्यक्ति से पूछेंगे, तो वे कहेंगे कि उनकी मां और शिक्षकों ने उनके जीवन को आकार देने में मदद की। नेतृत्व के विषय पर प्रधानमंत्री ने कहा कि बेहतर संवाद करने की क्षमता एक महत्वपूर्ण गुण है। प्रधानमंत्री ने कहा, नेता बनने के लिए पहल करने की मानसिकता विकसित करें। नेतृत्व का मतलब सिर्फ चुनाव लड़ना नहीं है। नेतृत्व की एक बड़ी खूबी कम से कम दस लोगों को अपने विचार स्पष्ट रूप से संप्रेषित करने की क्षमता है।परीक्षा पे चर्चा के नौवें संस्करण की पहली कड़ी पिछले सप्ताह प्रसारित हुई थी, जिसमें प्रधानमंत्री ने छात्रों को सलाह दी थी कि वे सबकी सलाह सुनें, लेकिन जीवनशैली में बदलाव तभी करें जब वे चाहें।

एआई से डरने की जरूरत नहीं

एक छात्र ने कहा कि एआई का इस्तेमाल बढ़ने से डर लग रहा है. पीएम ने इस विषय पर ज्ञान देते हुए कहा कि किसी चीज से डरना नहीं चाहिए, ध्यान रखें कि हमें उसका गुलाम नहीं बनना है। उन्होंने छात्रों को खुद ही निर्णायक बनने की सलाह दी। पीएम ने कहा कि कुछ बच्चों के लिए मोबाइल उनका मालिक बन गया है। एआई हमारे कामों में वैल्यू एडिशन करे, बस उसका इतना ही इस्तेमाल करें। यह कार्यक्रम भारत के सबसे बड़े शिक्षा संबंधी कार्यक्रमों में से एक बन गया है। इसका मकसद छात्रों के परीक्षा के तनाव को कम करना है। इसमें अभिभावक और शिक्षक भी शामिल हो सकते हैं। अधिकारियों ने कहा है कि परीक्षा पे चर्चा कोई प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह एक मुक्त मंच है, जहां सीखने, दबाव और मानसिक मजबूती के बारे में खुलकर बातचीत की जा सकती है।

साल में तीन बार स्वरूप बदलता है बेलदार सिवनी का शिवलिंग

3 दिन तक चला है प्राण प्रतिष्ठा समारोह, भव्य मंदिर का निर्माण देखने दूरदराज से पहुंच रहे श्रद्धालु

खरोरा। बेलदार राजा की राजधानी बेलदार सिवनी में एक अदभुत प्राचीन शिवलिंग है जो साल में तीन बार अपना स्वरूप बदलता है इस प्रतिमा को लोग धरती फोड़ महादेव के नाम से भी जानते हैं। खरोरा से 5 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर पूर्व दिशा में स्थित इस गांव की आबादी करीब 5000 है यहां का प्राचीन शिव मंदिर कितना पुराना है इस बारे में तीन पीढ़ी के सियान भी कुछ नहीं बता पाते हैं। रायपुर जिले के तिल्दा ब्लॉक में स्थित बेल्दारसिवनी गांव के एक अनोखे शिवलिंग है। इस प्राचीन शिवलिंग को स्थानीय लोग 'धरतीफोड़ महादेव' के नाम से जानते हैं। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह साल में तीन बार अपना स्वरूप बदलता है:- गर्मी में यह प्रतिमा बीच से दो भागों में बंट जाती है, जिससे इसमें अर्धनारीश्वर (आधा शिव, आधा शक्ति) का रूप स्पष्ट दिखाई देता है। इस दौरान यह खुरदुरा भी हो जाता है। सावन (बरसात) में यह वापस अपनी पूर्ण आकृति में आ जाता है, जिसे लोग 'जड़-महादेव' कहते हैं। ठंड में यह शिवलिंग का रंग गहरा काला हो जाता है और इसकी सतह चिकनी व तैलीय दिखाई देने लगती है।

प्राचीनता

यह मंदिर कितना पुराना है, इसके बारे में गांव के 80 साल के बुजुर्ग भी नहीं बता पाए। यह क्षेत्र कभी बेल्दार राजा की राजधानी हुआ करता था।

पवित्र कुंड

मंदिर के चारों ओर लगभग 1000 वर्ग फीट में फैला एक कुंड है। कहा जाता है कि सावन के महीने में इस कुंड की गंदगी और दुर्गंध अपने आप गायब हो जाती है।

नशामुक्त गांव

बेल्दारसिवनी अपनी पूर्ण शराबबंदी के लिए भी प्रसिद्ध है। सालों पहले गांव वालों ने कड़ा फैसला लेकर शराब बेचने और पीने वालों पर पाबंदी लगा दी थी जिसकी परंपरा जारी है।

शिव कुंड

इस कुंड को अब शिव कुंड का नाम दिया गया है और इस कुंड के बीच में लक्ष्मी नारायण भगवान की प्रतिमा स्थापित है चारों ओर द्वादश ज्योतिर्लिंग के दर्शन देखने को मिलते हैं। बेलदार सिवनी के इस धरतीफोड़ महादेव जिसे अर्धनारीश्वर भी कहा जाता है इस प्रतिमा के बारे में ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार गर्मी के दिनों में ढाई फीट ऊंची और 8 इंच विकास की प्रतिमा बीचो-बीच दो भागों में विभक्त हो जाती है तब इस प्रतिभा में अर्धनारीश्वर महादेव की झलक स्पष्ट दिखाई देती है। सावन के महीने में यह प्रतिमा अपनी पूर्ण आकृति को प्राप्त करती है तब इसे जड़ महादेव के नाम से लोग जानते हैं। ठंड के दिनों में प्रतिमा चिकनी और तेली काले रंग की हो जाती है गर्मी में प्रतिमा खुरदुरा होकर अपना चोला छोड़ती है। इसके बावजूद इस मंदिर की सुरक्षा पर शासन या पुरातत्व विभाग का ध्यान अब तक नहीं गया है। ग्रामीण खुद समय-समय पर इसका जीर्णोद्धार करते हैं। इसी तारतम्य में गांव के पूर्व सरपंच व वर्तमान जनपद सदस्य मुकेश वर्मा ने मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए संकल्प लिया एवं बाबा अर्द्धनारीश्वर मंदिर जीर्णोद्धार निर्माण समिति बेलदार सिवनी के अध्यक्ष थनवार वर्मा सहित सदस्यों में उद्योराम वर्मा, मुकेश वर्मा, पन्नालाल वर्मा, कैलाश वर्मा, नारद वर्मा ,बलराम वर्मा,अरुण वर्मा, ईश्वरी वर्मा, दिनेश वर्मा, भूपेंद्र वर्मा, मनहरन वर्मा, छेदु वर्मा, सुनील वर्मा, रामकुमार रातड़े, उमेंद क्षत्रिय, अजय वर्मा, यशवंत क्षत्रिय, मनीराम वर्मा, लोकेश शर्मा, गजानंद वर्मा शामिल हैं। विगत 2 से 3 वर्ष में स्थानीय व क्षेत्रीय दानदाताओं के सहयोग से मंदिर का भव्य स्वरूप का निर्माण कराया। मंदिर के जीर्णोद्धार से एक मनोहारी मंदिर का निर्माण हो गया है परिसर से लगे कुंड में ही 12 ज्योर्तिलिंग व शिव मंदिर में अन्य देवी देवताओं के प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया गया, जिसमें 5 फरवरी को कलश यात्रा निकाली गई, जिसके बाद 6 फरवरी को द्वितीय दिवस के रूप में वेदी पूजन और आधिवास यज्ञ संपन्न हुआ। 7 फरवरी को प्रातः 10 बजे से भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा, हवन-पूजन, पूर्णाहुति एवं विशाल भोग-भंडारे का आयोजन किया गया। दर्शनार्थियों ने मंदिर परिसर पर बने कुंड में म्यूजिकल फाउंटेन की मांग शासन से की है जिससे मंदिर की भव्यता और बढ़ जाए। मान्यता के अनुसार लोगों मांग भगवान भोलेनाथ जरूर सुनते है और उसकी मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है। यह आयोजन केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि समाज में संस्कार, एकता एवं सकारात्मक ऊर्जा के संचार का माध्यम भी है। समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें स्थानीय और दूर-दराज के श्रद्धालुओं ने भाग लिया। आगामी 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर विशाल मेले का आयोजन किया जायेगा जिसमें 14 व 15 फरवरी रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। आयोजक समिति के संरक्षक एवं जनपद सदस्य शिवशंकर वर्मा ने बतलाया कि तीन दिन तक चले इस प्राण प्रतिष्ठा समारोह में विधायक अनुज शर्मा, पूर्व विधायक अनीता योगेंद्र शर्मा, रायपुर जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, तिल्दा जनपद अध्यक्ष टिकेश्वर मनहरे, तिल्दा जनपद उपाध्यक्ष दुलारी सुरेंद्र वर्मा, संतोष शाह, रविंदर बबलू भाटिया, खूबी डहरिया, प्रवीण अग्रवाल, शेखर अग्रवाल, अनिल कुर्मी, प्रवीन लाटा सहित हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन लाभ प्राप्त कर क्षेत्र में खुशहाली व सम्पन्नता के लिए भोलेनाथ से आशीर्वाद प्राप्त किया।

ईको क्लब, के बच्चों ने वन्यप्राणियों का वेश धारण कर वनों को सुरक्षित रखने के लिए जागरूक किया

दल्लीराजहरा। हितकसा, कोंड़ेकसा, के जंगलों के समीप संचालित शासकीय मिडिल स्कूल, हाईस्कूल के ईको क्लब, के बच्चों ने वन्यप्राणियों का वेश धारण कर रैली निकाली एवं घर पर जाकर निवदेन किया कि वनों को आग से बचाएं एवं महुआ बीनने से पहले पेड़ के नीचे झाड़ू से साफ करें। जंगल में आग लगे तो वन्य कर्मचारी को फोन करे। दल्ली राजहरा के ग्रीन कमांडो वीरेंद्र सिंह ने बताया कि अब तक बालोद जिले के 3000 बच्चों को वनों को आग से बचाने के लिए वन विभाग के कर्मचारियों का मोबाइल नंबर दिया गया है ताकि वनों को यदि नुकसान हो रहा है तो वे तत्काल वन कर्मियों को सूचित कर सकें।

जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम

बलौदाबाजार। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम के तहत KHAKI TALKS कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम के तहत लाइव रहकर विभिन्न विषयों जैसे साइबर सुरक्षा, यातायात जागरूकता, बाल अपराध, महिला अपराध आदि विभिन्न अधिनियमों के संबंध में जानकारी लगातार दिया जा रहा है। इसी कड़ी में छठवें एपिसोड के तहत बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस फेसबुक पेज के माध्यम से लाइव रहकर पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता द्वारा यातायात नियमों का पालन तथा वाहनों से खतरनाक स्टंट करने वाले नाबालिक बालको एवं छात्रों में जागरूकता के सम्बन्ध में व्याख्यान दिया गया। इस दौरान Balodabazar police Facebook पेज को फॉलो एवं लाइक कर लोग यातायात जागरूकता संबंधी लाइव KHAKI TALKS कार्यक्रम के सहभागी बने। विगत कुछ दिनों से कसडोल क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न स्कूलों में नाबालिग बालकों एवं छात्रों का चारपहिया एवं बाईक आदि में खतरनाक स्टंट करते हुए विभिन्न वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुए हैं। उक्त सभी वीडियो को मुख्य विषय के रूप में चयनित करते हुए भावना गुप्ता द्वारा KHAKI TALKS के माध्यम से बताया गया कि सोशल मीडिया में रील आदि को देखकर, स्कूलों के छात्र एवं नाबालिग बालक ऐसे खतरनाक स्टंट कर रहे हैं। यह उनके लिए अत्यंत खतरनाक साबित हो सकता है, थोड़ी सी भी गलती उनके लिए जानलेवा साबित हो सकती है। इसलिए स्कूल के प्राचार्य एवं पालकगण सदैव छात्रों एवं अपने बालकों को यातायात नियमों की जानकारी प्रदान करें, ऐसे किसी भी कृत्य के लिए उन्हें संभावित खतरे के प्रति लगातार आगाह करें। विशेष कर पालक, अपने नाबालिक बच्चों को किसी भी प्रकार से स्पीड बाइक या अन्य कोई वाहन आदि चलाने ना दें। ऐसा कोई भी खतरनाक स्टंट यातायात नियमों की उल्लंघन की श्रेणी में आता है, जिसके लिए संबंधित वाहन चालक एवं वाहन मालिक के अतिरिक्त नाबालिग बालकों के परिजनों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाती है। उन्होंने कहा कि बच्चों के परिजन अपने बच्चों की नियमित रूप से निगरानी करें, उन्हें अच्छे बुरे के बारे में जानकारी दें, जिससे बच्चे एवं छात्र यातायात नियमों के प्रति जागरूक रहे एवं नियमों का पालन करें। कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार एवं संजय साहू उप पुलिस अधीक्षक यातायात द्वारा यातायात नियमों के संबंध में जानकारी दिया गया। साथ ही नाबालिक बालको एवं छात्रों द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन पर की जाने वाली कार्यवाही एवं विभिन्न अधिनियमों के संबंध में भी विस्तार पूर्वक बताया गया।

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की

दल्लीराजहरा। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर विशेष गहन पुनरीक्षण एवं राजस्व प्रकरणों के निराकरण के प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य तथा राजस्व प्रकरणों के निराकरण के कार्य को निर्धारित समयावधि में पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं नूतन कंवर, संयुक्त कलेक्टर मधुहर्ष सहित एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित थे। बैठक में मिश्रा ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के अलावा राजस्व प्रकरणों के अंतर्गत नामांतरण, बंटवारा, खाता विभाजन के कार्य तथा अतिक्रमण हटाने हेतु की जा रही कार्रवाई की भी गहन समीक्षा की।

उन्होंने राजस्व अधिकारियों से अवैध कब्जा हटाने हेतु की जा रही कार्रवाई के संबंध में जानकारी लेते हुए अवैध कब्जा करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अंतर्गत उन्होंने तहसीलदार मार्री बंगला देवरी से पसौद से दुर्ग मार्ग में अतिक्रमण हटाने हेतु की जा रही कार्रवाई के संबंध में जानकारी लेते हुए उन्हें शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा उन्होंने राजस्व प्रकरणों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए अविवादित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण के भी निर्देश दिए।

जिले के 55 हजार से अधिक ग्रामीणों ने जाना उनके रोजगार का अधिकार है सुरक्षित

रोजगार एवं आवास दिवस के अवसर पर विकसित भारत जी राम जी योजना, प्रधानमंत्री आवास एवं क्यूआर कोड के उपयोग सहित आजीविका डबरी पर ग्रामीणों से संवाद

कवर्धा। कबीरधाम जिले के 437 ग्राम पंचायतों में चल रहे निर्माण कार्यों में लगे 55599 ग्रामीणों को विकसित भारत गारंटी फ़ॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण अंतर्गत उनके रोजगार के अधिकार सुरक्षित होने, समय पर मजदूरी भुगतान मिलने, ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास, आजीविका डबरी के फायदे सहित ग्रामीणों को होने वाले लाभ के विषय में रोजगार एवं आवास दिवस के अवसर पर संवाद स्थापित कर जानकारी दी गई। वनांचल ग्राम पंचायत सेंदुरखार, महीडबरा, पोलमी पंडरीपानी, भेलकी, छुही, अमनआरा, बाकी, खड़ौदाखुर्द से लेकर सूरजपुरा जंगल, दानीघटोली, लाखाटोला, सिल्हाटी, धर्मगढ़ एवं तालपुर सहित जिले के सभी 471 ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस का आयोजन कर 1 अप्रैल 2026 से प्रत्येक पंजीकृत परिवारों को 100 के बजाय 125 दिनों का रोजगार, एक सप्ताह अथवा अधिकतम 15 दिवस के भीतर मजदूरी भुगतान होने तथा समय पर मजदूरी भुगतान नहीं मिलने पर बेरोजगारी भत्ता, ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले अधोसंरचना विकास, ग्राम सभा द्वारा पंचायत के कार्यों का चयन, क्यूआर कोड का उपयोग करने और प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से उनके आवास निर्माण पर चर्चा कर योजना की जानकारी दी गई। इस संबंध में चर्चा करते हुए कलेक्टर गोपाल वर्मा ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बाद 1 अप्रैल 2026 से मनरेगा के स्थान पर विकसित भारत जी राम जी योजना प्रतिस्थापित हो जाएगा। नई योजना में ग्रामीणों को पहले की अपेक्षा और अधिक अधिकार संपन्न बनाते हुए समय पर भुगतान सुनिश्चित किया गया है। प्रत्येक माह की 7 तारीख को चावल महोत्सव के साथ रोजगार एवं आवास दिवस का आयोजन जिले के सभी ग्राम पंचायतों में किया जाता है। इस अवसर पर योजना के विषय में ग्रामीणों का ज्ञानवर्धन किया जा रहा है ताकि सभी ग्रामीण अपने अधिकारों को अच्छे से समझ सके। ग्राम सभा को मिले अधिकार निर्माण कार्यों की पहचान और ग्राम विकास की रूपरेखा इन्हीं सब अवसरों पर ग्रामीण मिलकर चर्चा कर तय करते हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विनय कुमार पोयाम ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में आज की स्थिति में महात्मा गांधी नरेगा योजना से 55599 ग्रामीणों को रोजगार मिल रहा है। रोजगार देने के मामले में कबीरधाम जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर बना हुआ है तथा जिले के 437 ग्राम पंचायतों मे 3820 कार्य प्रगति पर है। कार्यस्थलों में ग्रामीण जब अपना कार्य पूरा कर लेते हैं तब उनसे शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों और नई योजना के बारे में पूरी जानकारी दी जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियों को अन्य विभागीय योजना के अभिसरण से मिलने वाले लाभ जिसमें प्रमुख रूप से खाद्यान्न सहायता हेतु राशन कार्ड, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान कार्ड स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय की व्यवस्था एवं आजीविका संवर्धन के लिए पशु शेड, मुर्गी पालन शेड, आजीविका डबरी सहित अन्य कार्यों पर व्यापक जानकारी और सभी अधिकारों के विषय में ज्ञानवर्धन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जिला के सभी मैदानी स्तर के अधिकारी एवं कर्मचारियों की सहभागिता से रोजगार दिवस और आवास दिवस का आयोजन महात्मा गांधी नरेगा के कार्यस्थल, प्रधानमंत्री आवास के निर्माण स्थल एवं ग्राम पंचायत स्तर पर किया गया है। प्रदेश में वीबी जी राम जी अधिनियम 2025 के जन जागरूकता, आवास निर्माण, योजना में जवाबदेही और पारदर्शिता हेतु नवाचार क्यूआर कोड स्कैन,आजीविका डबरी निर्माण के लिए प्रोत्साहन की दृष्टि से यहां आयोजन बहुत महत्वपूर्ण है।

छोटा बूढ़ा, छिंदाही, और आमा तालाब बहा रहा अपने बदहाली पर आंसू

बालोद। जिला मुख्यालय के 3 प्रमुख तालाब छोटा बूढ़ा, छिंदाही, और आमा तालाब अपने बदहाली के आंसू बहा रहे है। साफसफाई के अभाव उक्त तालाबो में गंदगी का अंबार है, पानी मटमैला हो चुका है, इतना ही नही तालाब में बनाई गई पचरी में नही गंदगी का ढेर लगा हुआ है। बताया जाता है कई वर्षो से इन तालाबों की सफाई नही की गई है, और न ही जिम्मेदार अधिकारी व जनप्रतिनिधियों ने ध्यान दिया। नगर पालिका बालोद के वार्ड क्रमांक 20 में स्तिथ छोटा बूढ़ा तालाब बहुत दयनीय स्तिथि में है। तालाब के किनारों में कचरे इकट्ठा हो गए है। तालाब में मछली पालन होता है। तालाब पूरा कमल के पौधों से ढक गया है। जिससे वार्ड वासियों को स्नान करने में परेशानी होती है। तालाब में पानी का भी स्तर कम हो गया। पानी कम होने के कारण स्नान करने से तालाब के तल में बैठे मिट्टी व काई पानी की सतह पर आ जाते है। बता दे कि इस तालाब में नहाने के दो स्थान है। एक में पुरुष स्नान करते है और दूसरे में महिलाएं। दोनों स्नान करने के स्थानों के बीच एक छोटा सा दीवाल बना है। दीवाल छोटा होने के कारण महिलाओ को वस्त्र बदलने में भी परेशानी होती है। वार्ड-20 के ही गहीरापारा में स्तिथ छिंदाही तालाब गंदे पानी से भरा हुआ है। तालाब के पानी का रंग गहरा हरा रंग हो गया है। इस तालाब में साल में एक बार पानी आता है और वह पानी नहर से होकर गली में बने नाली के माध्यम से तालाब में भरता है। पानी तालाब में आने से पहले दूषित हो जाता है। सफाई नही होने से तालाब में कचरे तैरते दिखाई पड़ रहे है। वार्ड 11 में स्तिथ आमा तालाब की स्थिति अत्यंत दयनीय है। आमा तालाब की देख रख नहीं होने के कारण आमा तालाब गंदगियों से भरते जा रहा है। तालाब के किनारों में बहुत सारे कचरे इकट्ठा हो गया है। सीढियों के आसपास जलीय पौधे उग आए है। जल का स्तर कम होते जा रहा है। वार्ड में समय पर नालियों का सफाई नहीं हो रही है। जिससे नाली का गंदा पानी भी तालाब में जा रहा है।

सफाई नही होने से तालाब में कचरे तैरते दिखाई पड़ रहे

वार्ड 20 बूढ़ापारा के विजय तारम, टिकेश नेताम, मनोज नागवंशी, गजेंद्र मालिया ने बताया कि तीन साल पहले गहरीकरण का काम हुआ था, तभी छोटा बूढ़ा तालाब की सफाई हुई थी। उसके बाद तालाब की सफाई नही हुई है। कमल के पौधों से तालाब पूरा ढक गया है। किनारों में जल का स्तर कम है, जिससे दूर गहरे पानी में नहाने के लिए जाना पड़ता है। पर कमल के पौधों के कारण अच्छे से स्नान करने नहीं होता। तालाब के किनारों में कचरे इकट्ठे हो गए है। उन्होने बताया को तालाब का गहरीकरण हुआ था, पर अच्छे से नहीं हुआ था। गहिरापारा के बीरसिंग यादव, खोमनलाल मलिया ने बताया कि छिंदाही तालाब के किनारे दीवाल नहीं है, जिससे कपड़े बदलने में परेशानी होती है। तालाब का पानी मैला हो गया है। तालाब में साल में एक ही बार पानी भरता है। जिससे तालाब का पानी मैला हो जाता है। साफसफाई नही होने तालाब में कचरे तैरते दिखाई पड़ते है। वार्ड 11 के लोगों ने बताया कि आमा तालाब की सफाई को वर्षों हो गया है। तालाब में कचरे बिखरे पड़े है। तालाब की सफाई कई वर्षों से नहीं हो रही है। नालियों की सफाई के लिए भी 15 दिन, तो कभी महीना बाद आते है। नालियों के गंदगी को निकाल देते है, पर दो तीन दिन बाद कचरे को उठा के ले जाते है।

संक्षिप्त समाचार

आधी रात शांति भंग करने की साजिश, 6 गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर कमिश्नरेट के अंतर्गत डीसीपी सेंट्रल जोन के निर्देशन में थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने एवं अपराध की रोकथाम के उद्देश्य से अभियान स्तर पर बहुआयामी कार्रवाई की गई। इस अभियान में जहाँ एक ओर आर्म्स एक्ट के तहत अवैध हथियार रखने वालों पर सख्त कार्रवाई की गई, वहीं दूसरी ओर प्रतिबंधात्मक धाराओं के अंतर्गत संभावित शांति भंग करने वाले तत्वों को समय रहते नियंत्रण में लिया गया। आर्म्स एक्ट की कार्रवाई में गश्त के दौरान भोला पान ठेला के पास आकस्मिक चेकिंग में आजाद चौक निवासी आरोपी आयुष मिश्रा को चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया। इसके अतिरिक्त, थाना सिटी कोतवाली के पुराने आर्म्स एक्ट प्रकरण में वीरभद्र नगर क्षेत्र का फरार चाकूबाज आबिद अली को माननीय न्यायालय से जारी स्थायी वारंट तामील करते हुए गिरफ्तार किया गया, जिससे लंबे समय से फरार आरोपी पर प्रभावी कार्रवाई संभव हो सकी। इसके साथ-साथ प्रतिबंधात्मक कार्रवाइयों के अंतर्गत थाना सिटी कोतवाली रायपुर में धारा 170, 126, 135(3) के तहत ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई, जिनसे सार्वजनिक शांति भंग होने की आशंका थी।

तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, दो बच्चों की मौत

रायपुर। जिले में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई है और 4 लोग घायल हो गए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया है। अस्पताल में सभी घायलों का इलाज जारी है। वहीं पुलिस की टीम ने बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, यह भीषण सड़क हादसा कांकेर के कोतवाली थाना क्षेत्र में हुआ है। यहां एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में कार में सवार दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई और कार सवार अन्य चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया है। अस्पताल में सभी घायलों का इलाज जारी है। वहीं पुलिस की टीम ने बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि, कार सवार सभी लोग कांकेर से माकड़ी ढाबा जा रहे थे, तभी ये भीषण सड़क हादसा हुआ।

अधेड़ के खाते से 98 हजार पार

रायपुर। गूगल से पैसा प्राप्त करने का झांसा देकर अज्ञात आरोपी ने अधेड़ के खाते से 98 हजार रुपए आहरण कर लिया। प्रार्थी की शिकायत पर मोवा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अतुल कुमार मिरानी 58 वर्ष एलआईसी कालोनी मोवा का रहने वाला है। प्रार्थी ने फोन पे के माध्यम से गलती से किसी दूसरे को पैसा ट्रांसफर कर दिया। जिसे वापस पाने के लिए गूगल में सर्च कर अज्ञात नंबर पर सर्च किया। जिससे अज्ञात व्यक्ति ने प्रार्थी को लिंक भेजकर उसके खाते से 98 हजार रुपए आहरण कर लिया। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सूने मकान से नकदी सहित जेवर पार

रायपुर। पुरानी बस्ती रावाभाठा स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने नकदी 40 हजार सहित सोने-चांदी का जेवर पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी राम मनोरथ साहू 35 वर्ष पुरानी बस्ती रावाभाठा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी 40 हजार रुपए और सोने-चांदी का जेवर पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 95 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

चोरी के कबाड़ खरीदी के मामले में फरार आरोपी बरबट्टी ने कोर्ट में किया सरेंडर

रायपुर। मुकेश उर्फ बरबट्टी ने आखिरकार कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। चोरी के कबाड़ की खरीदी के मामले में वह लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस की लगातार दबिश और कानूनी शिकंजा कसने के बाद आरोपी ने खुद अदालत में पेश होकर आत्मसमर्पण किया। बताया जा रहा है कि यह मामला चोरी के माल की अवैध खरीद-फरोख्त से जुड़ा है, जिसमें मुकेश उर्फ बरबट्टी की भूमिका अहम मानी जा रही थी। पुलिस पहले ही इस केस में अन्य आरोपियों पर कार्रवाई कर चुकी है, जबकि मुख्य आरोपी की तलाश जारी थी। अब कोर्ट में सरेंडर के बाद आरोपी से पूछताछ और आगे की कानूनी प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद है।

नक्सल पुनर्वास नीति के तहत

आत्मसमर्पित नक्सलियों को आजीविका मूलक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है....

- जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा को अंजाम दिया, वही प्रशिक्षण लेकर सीख रहे हुनर
- मुख्यधारा में लौटने के बाद चौगेल कैंप में दिया जा रहा विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण

रायपुर/ संवाददाता

अगर कुछ कर गुजरने का जज्बा मन में हो तो जीवन में हर काम आसान हो जाता है। इस कथन को आत्मसमर्पित माओवादियों ने चरितार्थ किया है। जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा की राह अख्तियार किया था, आज उन्हीं हाथों को राज्य की नक्सल पुनर्वास नीति के तहत कुशल और दक्ष बनाने की कवायद जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है। शासन की मंशानुसार ग्राम चौगेल (मुल्ला) कैंप में प्रशिक्षण देकर 'हिंसा से हुनर' की ओर लौटे माओवादियों को नया जीवनदान मिल रहा है। कभी माओवाद गतिविधियों में संलिप्त रहे युवक-युवतियों को अब ड्राइविंग, सिलाई, काष्ठशिल्प कला, सहायक इलेक्ट्रिशियन जैसे विभिन्न ट्रेड में सतत् प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे समाज की मुख्य धारा में लौटने के बाद आजीविका मूलक गतिविधियों में कुशल होकर बेहतर ढंग से सम्मान पूर्वक जीवन निर्वाह कर सके। वर्षों से लाल आतंक के साए में हिंसा का दंश झेल रहा बस्तर संभाग अब विकास की ओर शनैः-शनैः आगे बढ़ रहा है और माओवाद का दायरा धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है। छत्तीसगढ़ सहित देश को माओवाद से मुक्ति दिलाने केंद्र सरकार के संकल्प को पूरा करने प्रदेश सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। वहीं हथियार उठाने वालों को भविष्य गढ़ने का सुनहरा अवसर भी सरकार द्वारा दिया जा रहा है। आत्मसमर्पित/पीड़ित नक्सल पुनर्वास नीति-2025 के अंतर्गत उन्हें विभिन्न सृजनात्मक और रोजगारमूलक गतिविधियों के तहत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भानुप्रतापपुर विकासखंड से लगे ग्राम चौगेल (मुल्ला) का बीएसएफ कैम्प परिसर 'कौशलगढ़' बन गया है, जहां समाज की मुख्यधारा में लौटे 40 आत्मसमर्पित माओवादियों को अलग-अलग पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया जा रहा है, साथ ही उन्हें शिक्षित भी किया जा रहा है। आवश्यकतानुसार कक्षा पहली से आठवीं तक के पाठ्यक्रमों का नियमित अध्ययन कराया जा रहा है, जिसमें रूचि लेते हुए सभी आत्मसमर्पित माओवादी अपने भविष्य को पूरी शिद्दत से गढ़ने में संलग्न हैं। 20-20 का बैच बनाकर उन्हें हुनरमंद बनाने के सतत प्रयास किए जा रहे हैं। चारपहिया वाहन चालन का प्रशिक्षण ले रहे आत्मसमर्पित माओवादी 40 वर्षीय श्री मनहेर तारम ने बताया कि पिछले दो सप्ताह से उन्हें ड्रायविंग की ट्रेनिंग दी जा रही है, जिसे वे पूरी रूचि के साथ सीख रहे हैं। ट्रेनर द्वारा स्टेयरिंग थामने से लेकर क्लच, ब्रेक व एक्सिलरेटर का प्रयोग करना सिखाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ड्रायविंग सीखने की चाहत अब पूरी हो रही है। इसके अलावा सिलाई और काष्ठशिल्प का प्रशिक्षण कैम्प में दिया जा रहा है। इसी तरह श्री नरसिंह नेताम ने बताया कि वह भी फोरव्हीलर की ड्रायविंग में अपना हाथ आजमा रहे हैं तथा यहां आकर ऐसी गतिविधियों से जुड़ रहे हैं।

दुष्कर्म का विडियों बनाकर ब्लैकमेल कर वसूले लाखों रूपये...

रायपुर/ संवाददाता

राजधानी रायपुर की थाना पंडरी पुलिस ने एक युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करने तथा उसका अश्लील विडिया बनाकर ब्लैकमेलिंग के जरिए लाखों रुपये की उगाही करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार, एक पीड़िता ने थाना पंडरी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह वर्ष 2019 से 2025 तक एक रिलायंस स्टोर में कार्यरत थी। इसी दौरान उसकी पहचान आरोपी नित्या कुमार बरिहा से हुई, जो उसी स्टोर में काम करता था। आरोपी ने पीड़िता से नजदीकियां बढ़ाई और विवाह करने का प्रलोभन देकर उसे मोवा-पंडरी क्षेत्र स्थित एक किराए के मकान में ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने पैसे की जरूरत बताकर 18 जनवरी 2025 को उससे ऑनलाइन माध्यम से 52,000 रुपये प्राप्त किए। जब पीड़िता ने अपने पैसे वापस मांगे, तो आरोपी ने उसे धमकाते हुए कहा कि उसने उसका अश्लील वीडियो बना लिया है और यदि बार-बार पैसे की मांग की गई तो वह वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। इस धमकी और ब्लैकमेलिंग के चलते आरोपी ने पीड़िता से ऑनलाइन और नगद मिलाकर कुल 3,67,000 रुपये की अवैध उगाही की। पीड़िता की रिपोर्ट पर थाना पंडरी में अपराध क्रमांक 02/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बी.एन.एस.) की धारा 69 के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद थाना प्रभारी पंडरी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की गई। घटना के बाद से आरोपी लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने मुखबिर तंत्र सक्रिय किया और तकनीकी व अन्य माध्यमों से लगातार पतासाजी की जाती रही।

लोकतंत्र की मजबूती का मॉडल बना रायपुर सिटी दक्षिण विधानसभा क्षेत्र

रायपुर। संवाददाता

भारतीय निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत रायपुर सिटी दक्षिण विधानसभा क्षेत्र ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए प्रदेश में सर्वप्रथम सौंपे गए सुनवाई के दायित्वों को शत-प्रतिशत पूर्ण किया है। यह सफलता कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह के सक्षम मार्गदर्शन तथा ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ, सुपरवाइज़र, तकनीकी टीम और निर्वाचन से जुड़े समस्त कार्मिकों के समर्पित एवं समन्वित प्रयासों का परिणाम है।यह उपलब्धि न केवल प्रशासनिक दक्षता को दर्शाती है, बल्कि निष्ठा, अनुशासन, उत्कृष्ट टीमवर्क और समयबद्ध कार्यसंस्कृति का प्रत्यक्ष प्रमाण भी है। सतत प्रयासों से निर्वाचन संबंधी कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हुई, जिससे रायपुर सिटी दक्षिण पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरा है।वर्ष 2003 की मतदाता सूची के अनुसार रायपुर सिटी दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 78 हजार मतदाता दर्ज थे। स्ढ्ढक्रक्र2026 के प्रथम चरण में 2003 से 2025 की मतदाता सूचियों का गहन मिलान किया गया। इस मैपिंग प्रक्रिया में रायपुर सिटी दक्षिण विधानसभा ने केवल 4.4 प्रतिशत का अंतर दर्ज किया, जिसे भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बेहतर प्रदर्शन की श्रेणी में माना गया है।चुनौतियों के बीच सामूहिक प्रयास से सफलता मिली। प्रथम चरण में मतदाताओं की पहचान और सत्यापन एक बड़ी चुनौती थी, विशेषकर रायपुर जैसे बड़े शहर में। इसके बावजूद रायपुर सिटी दक्षिण के ईआरओ संयुक्त कलेक्टर श्री के.एम.अग्रवाल के नेतृत्व में 253 बीएलओ, 25 सुपरवाइज़र, नप्रतिनिधियों तथा सामाजिक-धार्मिक संगठनों के सहयोग से टीम ने उल्लेखनीय कार्य करते हुए मजबूत टीम भावना का परिचय दिया।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने रायपुर प्रेस क्लब की इंटर प्रेस क्रिकेट प्रतियोगिता में पत्रकार खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

कांग्रेस के पास न तथ्य हैं,न तर्क

केवल झूठ की राजनीति कर रही है-विजय शंकर मिश्रा...

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजय शंकर मिश्रा ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को तथ्यों से परे और राजनीति से प्रेरित बताते हुए तीखा प्रहार किया है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस बिना अध्ययन किए अनर्गल प्रलाप करने की आदी हो चुकी है और मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना जैसे पवित्र कार्यक्रम पर झूठे आरोप लगाकर प्रदेश की बहन-बेटियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मिश्रा ने शुक्रवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत प्रेस ब्रीफ में कहा कि कांग्रेस ने गुरुवार को जो प्रेस कॉन्फ्रेंस की, उसमें प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों में कोई तथ्यात्मक जानकारी नहीं थी। कांग्रेस के नेता बिना किसी तैयारी के केवल सरकार के विरुद्ध माहौल बनाने की नाकाम कोशिश करते हैं। डॉ. मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को अध्ययन करके ही किसी विषय पर कुछ कहना चाहिए। अध्ययन की कमी के कारण उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए झूठे दस्तावेज और बातें जल्द ही जनता के सामने बेनकाब हो जाती हैं।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मिश्रा ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के टेंडर पर उठाए जा रहे सवालों का जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि पूरे प्रदेश में 6000 युवतियों का सामूहिक विवाह होना है।

उन्नत जनपद पंचायत पर 5 राज्यों के सीईओ एवं बीडीओ का प्रशिक्षण संपन्न हुआ

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण विकास संस्थान, ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में उन्नत जनपद पंचायतों की स्थापना के उद्देश्य से बीडीओ एवं सीईओ हेतु छः दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 27 जनवरी से 01 फरवरी तक आयोजित किया गया, जिसमें राजस्थान, ओडिशा, गुजरात, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्यों से आए कुल 26 अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण विकास कार्यक्रमों में पूर्ण संतृप्ति लाने हेतु नेतृत्व द्वारा समृद्ध विकासखंडों का निर्माण विषय के अंतर्गत जनपद स्तर पर समग्र ग्रामीण विकास को गति देना रहा। प्रशिक्षण का शुभारंभ ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान के संयुक्त संचालक श्री सी. सोम मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के संस्थागत ढांचा, नेतृत्व विकास, सहभागितामूलक योजना निर्माण।

क्लास रूम में चाकू लहराने वाले छात्रों पर हुई कार्यवाही

रायपुर/ संवादददाता

राजधानी रायपुर के आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, मोवा में क्लासरूम भीतर चाकू लहराने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी छात्र को चाकू सहित गिरफ्तार कर लिया है। वहीं अन्य तीन नाबालिग बालकों को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। उक्त कार्यवाही सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो को गंभीरता से लेते हुए थाना पण्डरी पुलिस के द्वारा की गई है। बता दें कि बीते दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ था, जिसमें आत्मानंद स्कूल मोवा के एक कक्षा कक्ष के भीतर कुछ छात्र हाथ में चाकू लेकर उसे लहराते और आपस में दिखाते नजर आ रहे थे। वीडियो सामने आने के बाद न सिर्फ अभिभावकों में चिंता का माहौल बना, बल्कि स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था और छात्रों के बीच बढ़ते असामाजिक व्यवहार पर भी सवाल खड़े हो गए थे। वायरल वीडियो को संज्ञान में लेते हुए थाना पण्डरी पुलिस ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में तत्काल जांच शुरू की। जांच के दौरान वीडियो में दिखाई देने वाले छात्रों की पहचान की गई तथा जांच के वीडियो में चाकू लहराने वाले की पहचान मुख्य आरोपी 12 कक्षा के छात्र सुशांत प्रधान पिता सुशील प्रधान, उम्र 19 वर्ष, निवासी बी.एस.यू.पी. कॉलोनी, सड्डू के रूप में हुई। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी सुशांत प्रधान लगभग एक माह पूर्व अपने साथ एक चाकू स्कूल परिसर में लेकर आया था।

राजिम कुंभ कल्प के सातवें दिन भक्ति और संस्कृति से सराबोर रहा मुख्य मंच

जगराता,शिव-भक्ति,राधा-कृष्ण लीला और लोकगीतों ने बांधा समां

रायपुर/ संवाददाता

राजिम कुंभ कल्प के सातवें दिन मुख्य मंच पर भक्ति, संस्कृति और लोककला का अद्भुत संगम देखने को मिला। मनोज राजपूत इंटरटेनमेंट के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को देर रात तक मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत संतोष थापा द्वारा प्रस्तुत जगराता से हुई। पहली प्रस्तुति हे गणपति गणराज तेरी जय हो... से वातावरण भक्तिमय हो गया। तोर चरण म कर्मा माता दिन-रात.. गीत के माध्यम से कर्मा माता की महिमा का भावपूर्ण वर्णन किया गया, जिसे सुनकर दर्शक भक्ति में लीन हो गए। जब संतोष थापा ने हर हर हर हर भोला... और बम बम भोलेनाथ... गीतों की प्रस्तुति दी, तो पूरा मंच शिवमय हो गया। इस अवसर पर मनोज राजपूत द्वारा शिवजी की वेशभूषा में प्रस्तुत की गई आकर्षक झांकी ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। इसके बाद झिलझिल ओ झिलझिल ओ बारे हो दिया तोर नाव के, हे शीतला दाई मोर गांव के... गीत पर दर्शक भी झूमते और गुनगुनाते नजर आए। कार्यक्रम के दौरान संतोष थापा ने जस गीतों की प्रस्तुति देकर मंच पर तहलका मचा दिया। कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति में मनोज राजपूत एक बार फिर विशाल हनुमान जी की वेशभूषा में मंच पर आए। बजरंग बली, बजरंग बली, गली-गली में नाम है गीत पर उनके सशक्त नृत्य ने दर्शकों को पुनः भक्तिमय कर दिया। मंच पर बेमेतरा से आए कलाकार देवराज मिश्रा ने राजनांदगांव के पाताल भैरवी तोला प्रणाम.., ओम नमः शिवाय.. और मंगल भवन अमंगल हारी... जैसे गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों की प्रस्तुति दी। इसके बाद बइला म चढ़के आबे, डमरू बजावत आबे.. गीत के माध्यम से शिवजी

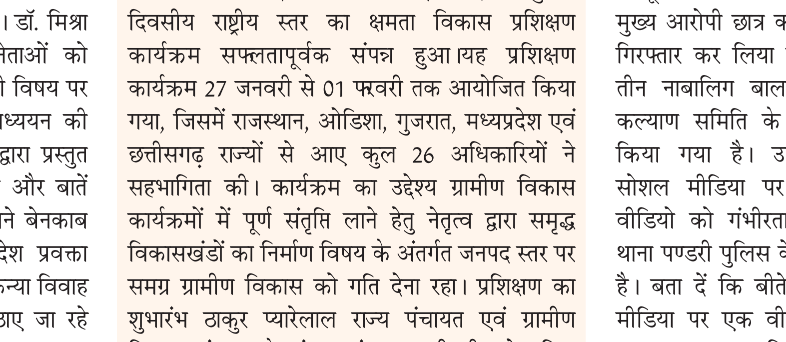

के सामान्य रूप का दर्शन कराया। छत्तीसगढ़ी गीतों में आजा न गोरी मया के झुलना..., जिंदगी लिख देव तोर नाव रे... और मया होगे रे तोर संग... जैसे गीतों ने दर्शकों को प्रेम रस में बांधे रखा। तोर नथली के मोती रे... गीत को दर्शकों ने दोबारा सुनने की फरमाइश की। अंतिम प्रस्तुति मया के सिंगार नवागांव चंपारण द्वारा दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत गणपति गणराज पहली सुमिरौ... से हुई। इसके बाद छत्तीसगढ़ की संस्कृति से जुड़े झमाझम लोकगीतों की प्रस्तुति दी गई। जय जवान जय किसान, मोर छत्तीसगढ़ महतारी तोर महिमा हे बढ़ भारी...., आमा मउर गे... और परसा फूल फर गे... जैसे गीतों ने दर्शकों को फागुन माह की याद दिला दी। कार्यक्रम के अंत में सभी कलाकारों का सम्मान राजिम विधायक रोहित साहू, सरपंच संघ फिंगेश्वर के अध्यक्ष हरीश साहू एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि नेहरू साहू द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन निरंजन साहू एवं मनोज सेन, किशोर निर्मलकर ने किया।

शहर से नवीन मेला मैदान पहुंचाने दो यात्री बस दे रहे सेवा

कुंभ कल्प मेला में नवीन मेला मैदान चौबेबांधा तक पहुंचने के लिए परिवहन विभाग जिला गरियाबंद द्वारा दो यात्री बस की सुविधा मुहैया कराई गई है। यह सेवा निशुल्क है। दिन भर कई बार आना-जाना कर रहे हैं जिनमें से एक बस राजिम के बस स्टैंड में खड़ी रहती है और दूसरी मेला मैदान में।

संपादकीय

बजट में दिख रहा विकसित भारत का रोडमैप

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर जिस तरह की वैश्विक चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, नए समीकरण तैयार हो रहे हैं, उसमें सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए ऐसा बजट पेश करना एक चुनौती भरा काम है, जो संतुलित हो और जिसमें लोकलुभावन प्रस्तावों से बचने की कोशिश की जाए। सरकार का मानना है कि देश अब तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए दृढ़ संकल्पित है और 2026-27 का आम बजट भविष्य को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया। किसी भी बजट की उपादेयता इससे साबित होती है कि वह देश की आर्थिक मजबूती में कितना सहायक साबित हुआ और उसका आम जनता के जीवन पर क्या असर पड़ा। इस लिहाज से देखें तो रविवार को पेश बजट को व्यापार और पूंजी के क्षेत्र में बढ़ती जरूरतों के साथ-साथ भारत को अंतरराष्ट्रीय बाजारों के साथ तालमेल बिठाते हुए अधिक निर्यात और स्थिर दीर्घकालिक निवेश को आकर्षित करने वाला कहा जा सकता है। यों इस बजट को गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के हितों के संदर्भ में उम्मीद जगाने वाले प्रयास के तौर पर देखा जा सकता है, मगर कोई लोकलुभावन घोषणाओं से बचते हुए यथार्थवादी दृष्टिकोण पर जोर दिया गया। युवा वर्ग के सशक्तीकरण के मकसद से शिक्षा क्षेत्र में लगभग 1.35 लाख करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। इसके तहत पचास नए आइआइटी और मेडिकल कालेज खोले जाने की बात कही गई है। साथ ही कौशल के विकास के उद्देश्य से 'स्किल इंडिया' कार्यक्रम को जमीन पर उतारने के लिए दो लाख करोड़ रुपए और प्रशिक्षु योजना से पांच करोड़ युवाओं को छात्रवृत्ति की व्यवस्था की जाएगी। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों यानी एमएसएमई के क्षेत्र में मदद के साथ ही रोजगार केंद्रित विकास को प्रमुखता दी जाएगी। दरअसल, देश में आज भी विकास के सारे सवाल बढ़ती बेरोजगारी के सामने चुनौती की तरह लगने लगते हैं। इसके मद्देनजर बजट में बेरोजगारी दर को आठ फीसद से नीचे लाने का संकल्प जाहिर किया गया है। मगर सारे निवेश और कार्यक्रम की कामयाबी इस बात पर निर्भर करेगी कि शहरों-महानगरों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी रोजगार के कितने अवसर सृजित हुए और उसमें हिस्सेदारी करने के लिए कौशल की कसौटी पर कितनी प्रशिक्षित युवा आबादी तैयार हुई। इसी तरह, लक्ष्मी वंदना योजना को विस्तार दिया गया है और स्वरोजगार ऋण के नियम शिथिल किए गए, ताकि महिला सशक्तीकरण की दिशा में ठोस नतीजे हासिल किए जा सकें। मगर यह देखने की बात होगी कि इससे जमीनी स्तर पर लैंगिक समानता की स्थितियों को सशक्त बनाने में कितनी मदद मिलेगी।

विदेशी समाचार माध्यमों और समाचार एजेंसियों की नजर में यह बजट एक तरह से क्रांतिकारी है। दुनिया की जानी-मानी आर्थिक समाचार एजेंसी ब्लूमबर्ग का कहना है कि भारत ने अपने बजट में 133 बिलियन का इंफ्रास्ट्रक्चर दांव लगाया है। इसके जरिए भारत अपने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को सुपरचार्ज करने की तैयारी में है। अंग्रेजी में एक मुहावरा है, टू रॉब पीटर टू पे पॉल। हिंदी में इसका मतलब होगा, पीटर से लेकर पॉल को देना। दुनिया की हर सरकारों के बजट के लिए इस मुहावरे का बखूबी इस्तेमाल होता है। मीडिया भी हर बजट के दिन एक खबर जरूर बनाता है, रूपया आएगा कहां से और जाएगा कहां। इसका भी मतलब इस मुहावरे जैसा ही। बजट प्रबंधन में दुनियाभर की सरकारें एक व्यक्ति या स्रोत से लेकर दूसरे को उपलब्ध कराती रही हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि हर बजट ऐसा ही होता है।

लोकलुभावन की बजाय आर्थिक सेहत ठीक करने वाला बजट

(उमेश चतुर्वेदी)

लोकसभा में साल 2026-27 के लिए प्रस्तुत बजट को इस मुहावरे से कुछ हद तक दूर रखा जा सकता है। बजट प्रस्तावों की मीमांसा होती रहेगी, लेकिन फौरी तौर पर देखें तो कुछ चीजें साफ होती हैं। इस बजट के बारे में कह सकते हैं कि यह लोकलुभावन नहीं है। साल 2024-25 और 2025-26 के बजट को देखें तो उन दिनों मोदी सरकार पर जनता से किए गए वायदों को पूरा करने का दबाव था। इसलिए बीते दोनों बजट में लोकलुभावन घोषणाएं की गईं। वैसे भारतीय राजनीति की रवायत बन चुकी है कि ऐन चुनावों से पहले आने वाले बजट प्रस्तावों में उस राज्य विशेष जहां चुनाव होने हैं, के लिए लुभावनी घोषणाओं की बाढ़ आ जाती है। कुछ ही महीनों बाद पांच महत्वपूर्ण राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। पश्चिम बंगाल पर बीजेपी जहां कब्जे की कोशिश में दिन-रात एक किए हुए हैं, वहीं प्रश्न प्रदेश बने तमिलनाडु में भी अपनी ताकतवर उपस्थिति जताने के लिए जोर लगाए हुई है। तमिलनाडु के पड़ोसी केंद्र शासित प्रदेश पुद्दचेरी में भी चुनाव होने हैं। इसी तरह बीजेपी की कोशिश गॉड'स ओन कंट्री यानी भगवान के अपने घर केरल में कमल का फूल खिलाने की है। जबकि असम में तीसरी बार सत्ता हासिल करने के लिए मुतमइन है। राजनीतिक रवायत के मुताबिक, मौजूदा बजट प्रस्तावों में इन राज्यों के लिए घोषणाओं की बाढ़ आनी चाहिए थी। लेकिन तमिलनाडु से आने वाली निर्मला सीतारमण ने अपने नौंवे बजट में ऐसा कुछ भी नहीं किया। इस लिहाज से यह बजट भारतीय राजनीति का नया चेहरा प्रस्तुत कर रहा है।

इस बजट के बारे में कहा जा सकता है कि यह लोकलुभावन घोषणाओं की बजाय संरचनात्मक सुधारों, विनिर्माण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई जैसे भविष्य के क्षेत्रों पर केंद्रित है। इस बजट में जिस तरह शी मार्ट के जरिए महिला उद्योगपतियों को प्रोत्साहन देने की बात है, बेकार और अनुपयोगी हो चुके कानूनों को बदलने के लिए समिति बनाने का का प्रस्ताव है या सात हाईस्पीड रेल कॉरीडोर बनाने की बात है या फिर ग्रामीण बजट को बढ़ावा दिया गया है, या फिर मनरेगा की जगह पर आए नए कानून जी राम जी को जबरदस्त प्रोत्साहन दिया गया है, उस वजह से यह बजट अलग स्वरूप लिए हुए दिख रहा है। शायद यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने इसे वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका को सशक्त बनाने वाला बजट बताया है। हालांकि पूर्व वित्त मंत्री और अर्थशास्त्री पी चिदंबरम् मानते हैं कि इस बजट प्रस्ताव में सरकार चीन और अमेरिकी दबाव में दिख रही है।

लेकिन विदेशी समाचार माध्यमों और समाचार एजेंसियों की नजर में यह बजट एक तरह से क्रांतिकारी है। दुनिया की जानी-मानी आर्थिक समाचार एजेंसी ब्लूमबर्ग का कहना है कि भारत ने अपने बजट में .133 बिलियन का इंफ्रास्ट्रक्चर दांव लगाया है। इसके जरिए भारत अपने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को सुपरचार्ज करने की तैयारी में है। इसके साथ ही ब्लूमबर्ग ने बजट में 12.2 लाख करोड़ के कैपेक्स को ग्लोबल सप्लाई चेन के लिए बड़ा संकेत माना है। दुनिया की सबसे बड़ी समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने इन बजट प्रस्तावों को लेकर कहा है कि भारत के इस बजट में वित्तीय अनुशासन बनाम विकास का द्वंद्व दिख रहा है। एजेंसी कहती है कि बजट प्रस्ताव में मोदी सरकार ने 4.3 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे का लक्ष्य रखा है। इसी तरह उसने बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ाया। मोदी सरकार के ये कदम नए बदलाव के प्रतीक हैं। ब्रिटेन से प्रकाशित होने वाले प्रसिद्ध आर्थिक अखबार फाइनेंशियल टाइम्स ने मोदी सरकार के बजट को लेकर कहा है कि यह ग्लोबल अनिश्चितता के बीच भारत का स्थिर कदम है। इस बजट के जरिए भारतीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने निवेश और राजकोषीय विवेक के बीच संतुलन साधने की कोशिश की है। दुनिया की जानी-मानी पत्रिका फोर्ब्स ने 2026 के बजटको लेकर एक तरह से हैरत जताते हुए सवाल पूछ लिया है कि क्या सेमीकंडक्टर और एआई के क्षेत्र मे निवेश भारत को टेक्निकल दुनिया का सुपरपावर बनाएगा? दुनिया की दूसरी बड़ी समाचार एजेंसी एएफपी ने भारत के बजट में बुनियादी ढांचे के लिए रिकॉर्ड 133 अरब डॉलर देने के वादे का स्वागत किया है। कुछ ऐसी ही प्रतिक्रियाएं दूसरी संस्थाओं की भी है। मशहूर रेटिंग एजेंसी मूडीज ने इस बजट को 'टैक्टिकल' यानी रणनीतिक करार दिया है। मूडीज का मानना है कि यह बजट क्रेडिट प्रोफाइल में तुरंत बदलाव नहीं करेगा, लेकिन भारत की आर्थिक स्थिरता के लिए अच्छा है। इन प्रतिक्रियाओं में प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिक्रिया को भी जोड़ सकते हैं, जिन्होंने इसे रिफॉर्म एक्सप्रेस बताया है। देश का सबसे बड़ा आयकर दाता मध्य वर्ग ही है। उसे उम्मीद थी कि इस बार के बजट में आयकर पर किंचित ही सही, छूट मिलेगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इससे उसे थोड़ी निराशा तो जरूर हुई है। बीबीसी और अल जजीरा जैसे चैनलों ने इस मुद्दे को अपनी रवायत के मुताबिक अपनी समीक्षाओं में प्रमुखता दी है। दोनों ही समाचार संस्थानों ने भारतीय विपक्षी नेताओं और आर्थिक-तकनीकी विशेषज्ञों के हवाले से लिखा है कि आयकर स्लैब में बदलाव न होने से मध्यम वर्ग को उतनी राहत नहीं मिली, जितनी उम्मीद थी। सरकारी कर्मचारी उम्मीद कर रहे थे कि आठवें वेतन आयोग को लेकर भी बजट में कोई बड़ी चर्चा या ऐलान हो सकता है। लेकिन निर्मला सीतारमण ने इससे परहेज किया।

इसका यह मतलब नहीं कि बजट में आम आदमी का ध्यान नहीं रखा गया है। बजट में कुछ बेहतरीन घोषणाएं भी हुई हैं। महिला उत्थान और सशक्तीकरण की बात खूब की जाती है, लेकिन गांवों या छोटे शहरों से बड़े शहरों में पढ़ाई या नौकरी के लिए आने वाली लड़कियों की सहूलियतों पर कम ही ध्यान दिया जाता रहा है। लेकिन इस बार बजट में उनका ध्यान रखा है। बजट में हर जिले में महिला छात्रावास बनाने का प्रस्ताव किया गया है। बजट का यह फैसला लड़कियों को कॉलेज और नौकरियों तक पहुंचाने में बहुत मददगार साबित होगा। मां-बाप भी बिना किसी डर के सरकारी हास्टलों में अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए भेज सकेंगे। इससे न केवल पढ़ाई बीच में छोड़ने वाली लड़कियों की संख्या कम होगी, बल्कि लड़कियां खुद को ज्यादा सुरक्षित और आत्मनिर्भर महसूस करेंगी। पढ़ाई के साथ-साथ जो अपना छोटा-मोटा काम करने या स्टार्टअप चलाने वाली महिलाओं के लिए भी बजट में घोषणा हुई है। सरकार ने 'शी मार्ट्स' नामक प्लेटफॉर्म शुरू करने का फैसला किया है। ये ऐसे बाजार या प्लेटफॉर्म होंगे, जहां सिर्फ महिला उद्यमी, स्वयं सहायता समूह और महिला कारीगर ही अपना सामान बेच सकेंगी। इससे महिलाओं को बिचौलियों की जरूरत नहीं रहेगी। इसी तरह कैंसर के इलाज वाली 17 दवाओं के साथ ही शुगर की दवाओं पर कर में कमी की गई है। साथ ही सात दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए बाहर से आयात होने वाली दवाओं और स्पेशल फूड पर भी अब कोई टैक्स नहीं लगेगा। इससे उन्हें बड़ी आर्थिक मदद मिलेगी जो इलाज के लिए महंगी विदेशी दवाओं पर निर्भर हैं। भारत को बायोफार्मा का हब बनाने का भी ऐलान किया गया है। ग्रामीण विकास पर दो लाख 73 हजार 108 करोड़ और कृषि एवं कृषि विकास पर एक लाख 62 हजार 671 करोड़ के बजट का प्रस्ताव ग्रामीण क्षेत्रों की रौनक बढ़ा सकता है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बजट में विकसित भारत के निमित्त शहरी विकास आवंटन में दृष्टिगोचर हुआ व्यापक बदलाव

(अंकित जैन)

इसका सकारात्मक प्रभाव शहरी विकास पर पड़ेगा। लिहाजा यह बदलाव विकसित भारतञ्च2047 के लक्ष्य को मजबूत करेगा, छोटे शहरों को विकास केंद्र बनाएगा और निजी निवेश को आकर्षित करेगा, जिससे शहरीकरण अधिक समावेशी होगा। हालांकि, सटीक 20,000 करोड़ शहरी विकास के लिए स्पष्ट नहीं मिला—यह कार्बन प्रोजेक्ट्स से जुड़ा प्रतीत होता है।

भारत के बजट 2026-27 में शहरी विकास के लिए प्रस्तावित ?20,000 करोड़ का आवंटन वास्तव में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देता है, लेकिन उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह सीधे तौर पर 20,000 करोड़ का एकमुश्त खर्च शहरी विकास के लिए नहीं है। दरअसल, यह राशि मुख्य रूप से औद्योगिक क्षेत्रों में कार्बन कैप्चर प्रोजेक्ट्स से जुड़ी हो सकती है, जबकि शहरी विकास के लिए सिटी इकानॉमी रिजिन्स (सीईआर) पर 5 वर्षों में ?5,000 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है।

इसका सकारात्मक प्रभाव शहरी विकास पर पड़ेगा। लिहाजा यह बदलाव विकसित भारतञ्च2047 के लक्ष्य को मजबूत करेगा, छोटे शहरों को विकास केंद्र बनाएगा और निजी निवेश को आकर्षित करेगा, जिससे शहरीकरण अधिक समावेशी होगा। हालांकि, सटीक 20,000 करोड़ शहरी विकास के लिए स्पष्ट नहीं मिला—यह कार्बन प्रोजेक्ट्स से जुड़ा प्रतीत होता है।

इस बारे में कोसमोस पम्पस के सीईओ व कोफाउंडर अंकित जैन ने कहा कि भारत के शहरी विकास के लिए प्रस्तावित 20,000 करोड़ का खर्च एक बड़ा बदलाव है, जिसमें टियर-टू, टियर-थ्री शहरों और मंदिर वाले शहरों पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह प्रस्ताव शहरों को न केवल आबादी के केंद्र के रूप में देखता है, बल्कि इनोवेशन, रोजगार और उत्पादकता के लिए एक शक्तिशाली इंजन के रूप में भी उपयोग होगा। भारत को स्मार्ट शहर बनाने के लिए, सिर्फ़ डिजिटल समाधानों पर ध्यान देने के बजाय मज़बूत फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी उतना ही ध्यान देना होगा—खासकर वॉटर मैनेजमेंट, एनर्जी एफिशिएंसी और सस्टेनेबल यूटिलिटीज़ पर। क्योंकि आधुनिक शहरों को बढ़ती आबादी और इंडस्ट्रीज़ को सपोर्ट करने के लिए इंटेलिजेंट पंपिंग सिस्टम, कुशल वॉटर सप्लाई, वेस्टवॉटर मैनेजमेंट और क्लाइमेट-रेडी इंफ्रास्ट्रक्चर की ज़रूरत है।

लिहाजा हर सिटी इकोनॉमिक रीजन के लिए ?5,000 करोड़ का चैलेंज-बेस्ड आवंटन कॉम्पिटिशन, इनोवेशन और नतीजे-आधारित प्लानिंग को बढ़ावा देता है, जो लंबे समय की सफलता के लिए बहुत ज़रूरी है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि शहरी आर्थिक क्षेत्रों की योजना बजट 2026-27 में छोटे शहरों (टियर-2 और टियर-3) के समावेशी विकास पर केंद्रित है। यह योजना केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के संयुक्त प्रयासों से लागू होगी, जिसमें 5,000 करोड़ का प्रारंभिक आवंटन है।

इसकी कार्यान्वयन प्रक्रिया भी स्पष्ट है, क्योंकि योजना का क्रियान्वयन चरणबद्ध तरीके से होगा। पहले राज्यों द्वारा 5 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों का चयन, फिर ग्रोथ ड्राइवर्स (जैसे लॉजिस्टिक्स हब, रियल एस्टेट) पर आधारित मास्टर प्लान तैयार करना। इसके बाद निजी निवेश आकर्षित करने के लिए पीपीपी मॉडल और सेंट्रल फंडिंग का उपयोग होगा।

इसके प्रमुख चरण अंतर्गत चयन और योजना पर ध्यान देना होगा। खासकर राज्य शीर्ष समितियां बनाकर शहरों का चयन करेंगी, फिर 20 वर्षीय एकीकृत योजनाएं (परिवहन, आवास, भूमि उपयोग) तैयार करेंगी। ततपश्चात फंडिंग होगी। इस बाबत केंद्र से ?5,000 करोड़ + एसेट मोनेटाइजेशन से अतिरिक्त संसाधन; और निजी क्षेत्र को तकनीकी सहायता। इसकी कार्यान्वयन संरचना राज्य-स्तरीय समितियां तय करेंगी और वही इन योजनाओं को तैयार करेंगी, जिसके लिए केंद्र से फंडिंग (5,000 करोड़ प्रारंभिक) और पीपीपी मॉडल से समर्थन मिलेगा। इससे विकसित भारतञ्च2047 लक्ष्य मजबूत होगा। (लेखिका सीईओ व कोफाउंडर, कोसमोस पम्पस। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सिलीगुड़ी कॉरिडोर में जमीन के नीचे रेल दौड़ाने की तैयारी

केंद्र सरकार ने अब सिलीगुड़ी गलियारे की सुरक्षा और मजबूती के लिए बड़ा कदम उठाया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि करीब चालीस कोस लंबे हिस्से में भूमिगत रेल पटरियां बिछाने की योजना बनाई गई है। पूर्वोत्तर को देश के बाकी हिस्से से जोड़ने वाला सिलीगुड़ी गलियारा एक बार फिर राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में है। यह धरती की वही पतली पट्टी है जिसे आम बोलचाल में चिकन नेक कहा जाता है। सबसे संकरे हिस्से में इसकी चौड़ाई करीब पच्चीस कोस से भी कम मानी जाती है। इसके एक ओर नेपाल, दूसरी ओर भूटान और पास ही बांग्लादेश की सीमा है।

(नीरज कुमार दुबे)

यही रास्ता पूर्वोत्तर के आठों राज्यों के लिए जीवन रेखा है। सेना की आवाजाही हो, अनाज और ईंधन की आपूर्ति हो या व्यापार, सब कुछ काफी हद तक इसी राह से गुजरता है। केंद्र सरकार ने अब इस गलियारे की सुरक्षा और मजबूती के लिए बड़ा कदम उठाया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि करीब चालीस कोस लंबे हिस्से में भूमिगत रेल पटरियां बिछाने की योजना बनाई गई है। तीन मील हाट से रंगापानी के बीच यह भूमिगत मार्ग बनेगा। साथ ही पूरे मार्ग को चार पटरियों वाला बनाने का प्रस्ताव भी वार्षिक लेखा योजना में रखा गया है ताकि यातायात की क्षमता कई गुना बढ़ सके। हम आपको बता दें कि हाल के समय में इस गलियारे को लेकर कई तरह की गीदड़ भभकियां सामने आई थीं। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद कुछ समूहों ने चिकन नेक को दबाने जैसी बातें कही थीं। कुछ बयान ऐसे भी आये जिनमें इस इलाके को ग्रेटर बांग्लादेश की कल्पना से जोड़ा गया। ढाका की चीन से बढ़ती नजदीकी ने भी चिंता बढ़ाई। वर्ष 2017 में डोकलाम टकराव के समय भी सैन्य योजनाकारों ने सिलीगुडी हिस्से की कमजोरी पर ध्यान दिलाया था। साफ था कि यदि यहां बाधा आई तो पूर्वोत्तर लगभग कट सकता है। इसी पृष्ठभूमि में भूमिगत रेल को संकट के समय भी संपर्क बनाए रखने की योजना के रूप में देखा जा रहा है। भूमिगत मार्ग पर सीधा प्रहार करना कठिन होगा। इससे सैनिक साजो सामान और आम जन जीवन की आपूर्ति निरंतर बनी रह सकती है। यदि चिकन नेक जैसे संवेदनशील इलाके में भूमिगत रेल मार्ग बनता है तो यह कौशल, साहस और दूरदर्शिता का भी प्रदर्शन होगा। भारत पहले ही जम्मू-कश्मीर में दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल का निर्माण कर अपनी प्रतिभा दिखा चुका है। पहाड़ चीरकर और पहाड़ों के ऊपर पुल खड़ा करने वाले यही हाथ जमीन के भीतर भी सुरक्षित मार्ग बना सकते हैं। वैसे भी कठिन भौगोलिक

हालात को मात देना भारतीय इंजीनियरों की पहचान बन चुकी है, इसलिए चिकन नेक में भूमिगत रेल केवल सुरक्षा कदम नहीं, बल्कि देश की तकनीकी ताकत और आत्मविश्वास का प्रतीक भी होगी। देखा जाये तो यह गलियारा केवल भौगोलिक पट्टी नहीं बल्कि राष्ट्रीय एकता की धुरी है। इसलिए इसकी सुरक्षा पर किसी तरह की ढिलाई नहीं हो सकती। भूमिगत रेल, चार पटरी विस्तार और कड़ी निगरानी को उसी दिशा में उठे कदम के रूप में देखा जा रहा है। सामरिक दृष्टि से देखें तो यह इलाका चार देशों के बीच घिरा है। सीमा पार से होने वाली हर हलचल यहां असर डालती है। चीन की क्षेत्रीय महत्वाकांक्षा, बांग्लादेश की अंदरूनी राजनीति, और खुले सीमा प्रबंध वाले इलाकों की जटिलता, सब मिलकर इस पट्टी को संवेदनशील बनाते हैं। ऐसे में भूमिगत रेल केवल ईंट पत्थर का काम नहीं, बल्कि संकट काल में जीवन रेखा को जिंदा रखने का उपाय है। युद्ध या बड़े तनाव की स्थिति में खुली पटरियां आसान निशाना बन सकती हैं, पर जमीन के भीतर चलने वाली रेल को रोकना कठिन होगा। इसका आर्थिक पक्ष भी कम अहम नहीं है। पूर्वोत्तर क्षेत्र प्राकृतिक संसाधन, जल शक्ति, कृषि उपज और सीमा पार व्यापार की अपार संभावना रखता है। यदि संपर्क मजबूत होगा तो उद्योग, पर्यटन और व्यापार को बल मिलेगा। चार पटरी मार्ग का अर्थ है तेज आवागमन, कम बाधा और ज्यादा माल ढुलाई। इससे लागत घटेगी और बाजार बढ़ेंगे, जो इलाका कभी दूर माना जाता था वह अवसर का द्वार बन सकता है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

क्रोध प्रेम से ही हारेगा

(विवेकानंद)

जब मन में क्रोध की एक बड़ी तरंग आती है, तब उसे कैसे वश में लाया जाए? बहुत सरल सा जवाब है- उसके विपरीत एक तरंग उठाकर। उस समय प्रेम

की बात मन में लाओ।कभी-कभी ऐसा होता है कि पत्नी अपने पति पर खूब गरम हो जाती है, लेकिन उसी समय उसका बच्चा वहां आ जाता है और वह उसे अपनी गोद में उठाकर चूम लेती है; इससे उसके मन में बच्चे के प्रति प्रेम-तरंग उठने लगती है और वह पहले तरंग को दबा देती है। प्रेम क्रोध के विपरीत है। इसी प्रकार, जब मन में किसी किस्म की चोरी का भाव उठे, तो उसके विपरीत भाव का चिंतन करना चाहिए। जब दान ग्रहण करने की इच्छा पैदा हो, तो उसके विपरीत भाव का चिंतन करना चाहिए। मैं स्वयं यदि कोई झूठ कहूं, तो उससे जो पाप होता है, उतना ही पाप तब भी होता है, जब दूसरे को झूठ कहने में लगाता हूं अथवा दूसरे की किसी झूठी बात का अनुमोदन करता हूं। वह झूठ भले ही जरा सा हो, फिर भी झूठ तो है ही। पर्वत की कंदरा में बैठकर भी यदि पाप चिंतन करो, किसी के प्रति घृणा का भाव पोषण करो, तो वह भी संचित रहेगा और कालान्तर में फिर से वह तुम्हारे पास किसी दुख के रूप में आकर तुम पर प्रबल आघात करेगा। यदि तुम अपने हृदय से ईर्ष्या और घृणा का भाव चारों ओर प्रसारित करते हो, तो वह चक्रवृद्धि ब्याज सहित तुम पर आकर गिरेगा। दुनिया की कोई भी ताकत उसको रोक न सकेगी। यदि तुमने एक बार उस शक्ति को बाहर निकाला, तो फिर निश्चित जानो, तुम्हें उसका प्रतिघात सहन करना ही पड़ेगा। यह स्मरण रहने पर तुम कुकर्मों से बचे रह सकोगे।

कामाराम में दोरला समाज की ब्लॉक स्तरीय पटेल- पुजारी चर्चा परिचर्चा सम्मेलन संपन्न

दोरला समाज के नियमों का उल्लंघन करने पर आर्थिक दंड सहित समाज से निष्काशित

कोंटा। ग्राम पंचायत कामाराम में दोरला समाज द्वारा ब्लॉक स्तरीय पटेल- पुजारी चर्चा परिचर्चा सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में कामाराम जोन अंतर्गत समाज को मजबूत बनाने के उददेश्य से नए युवाओं को सामाजिक दायित्वों के अनुसार मनोनीत किया गया। साथ ही समाज की एकता, संस्कृति और परंपराओं को बचाए रखने के लिए लगातार सामाजिक बैठकों के आयोजन पर विशेष जोर दिया गया। बैठक का मुख्य उददेश्य उन लोगों को फिर से समाज की मुख्यधारा से जोड़ना बताया गया, जो अपनी मूल संस्कृति, रीति-रिवाज और रहन-सहन को छोड़कर अन्य धर्मो की ओर जा रहे हैं या पलायन कर रहे हैं। ऐसे लोगों को रोकने और समाज की मूल पहचान को सुरक्षित रखने के लिए समाज के पूर्वजों, वरिष्ठजनों और जानकार व्यक्तियों को आमंत्रित कर उनसे विचार-विमर्श किया गया। सम्मेलन में विस्तार से चर्चा की गई कि दोरला समाज की मूल संस्कृति क्या है, हम उससे क्यों दूर होते जा रहे हैं और इसे दोबारा कैसे अपनाया जा सकता है। समाज को एकजुट कर लगातार चर्चा के माध्यम से अपनी पहचान को समझने और आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम में समाज के लोगों ने चट्टी पार्टी, शादी-ब्याह और मृत्यु संस्कार जैसे सामाजिक आयोजनों में डीजे और अंग्रेजी शराब, एक ही सरनेम के लड़का लड़की शादी करते है तो सामाजिक आर्थिक दंड सहित समाज से निष्काशित करने का फैसला लिया। इस पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समाज में इन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाएगा और पारंपरिक नियमों को फिर से सख्ती से लागू किया जाएगा। समाज के नियमों का विरोध करने या पालन नहीं करने वालों पर सामाजिक और आर्थिक दंड लगाने का भी निर्णय लिया गया। इन फैसलों की जानकारी समाज के हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए इस तरह के कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं।

बॉक्स के अंदर फोटो कैप्शन में: अंतरराज्यीय समाज के पदाधिकारी सहित युवा प्रकोष्ठ

इस सम्मेलन में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और छत्तीसगढ़ से बड़ी संख्या में दोरला समाज के लोग शामिल हुए। समाज के पदाधिकारियों द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में बैठकें कर समाज में लगाए गए प्रतिबंधों और नियमों की जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम में संभागीय संरक्षक नरेंद्र बुर्का, संभागीय सचिव सोडी जोगा, विशेष अतिथि सोडी मुत्ता, मड़कम कन्ना, सोयम नागेश, सोयम भीमा, मड़कम मुदराज, करतम लच्छा अध्यक्ष, करतम रोशन, मुख्य अतिथि रव्वा रामा, कोया समाज कार्यकारिणी सदस्य मलकानगिरी, मोटटूम रमेश युवा प्रभाग अध्यक्ष, मड़कम चलपतरी, गोलापल्ली जॉन अध्यक्ष, मीडियम कामा, एलमागुंडा जोन अध्यक्ष बाडसे चंद्रा, सलवम दीपक युवा प्रभाग अध्यक्ष, मड़कम मुकेश उपाध्यक्ष, मड़कम एंका, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष लक्ष्मी कोर्राम, मोडियम चिलका सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

श्री श्री बालाजी कल्याण महोत्सव मनाया गया

किरंदुल । लौहनगरी किरन्दुल श्री राघव मंदिर परिसर में स्थित बालाजी मंदिर मे बालाजी भगवान का सुप्रभात सेवा, मंगलाशासनम, स्वामी अलंकार के बाद सुदर्शन हवन व बालाजी भगवान का सामूहिक कल्याणम हुआ। विवाह पूजन अनुष्ठान कार्यक्रम में एनएमडीसी अधिशासी निदेशक रविंद्र नारायण, सपत्नीक पूजा अर्चना किए। जिसके बाद दोपहर 01 बजे से मंदिर परिसर में अन्नदान भंडारा का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में परियोजना के अधिकारी कर्मचारियों के साथ-साथ क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान आयोजन समिति के अध्यक्ष गणपत नायडू, सचिव जी सन्मुख राव एवं अन्य श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

मल्लखंब के नन्हे वीरों ने राष्ट्रपति के समक्ष दिखाई अदभुत कला, राष्ट्रपति मुर्मु ने की प्रशंसा

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचल और लंबे समय तक संघर्षो के लिए पहचाने जाने वाले अबूझमाड़ ने अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। जगदलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित संभाग स्तरीय बस्तर पण्डुम के शुभारंभ समारोह में अबूझमाड़ मल्लखंब एंड स्पोट्र्स एकेडमी के नन्हे खिलाड़ियों ने देश की सर्वोच्च संवैधानिक पदाधिकारी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के समक्ष मल्लखंब की अदभुत प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह पहला अवसर था जब अबूझमाड़ क्षेत्र के बच्चों ने एक साथ राष्ट्रपति के समक्ष मल्लखंब का जीवंत और साहसिक प्रदर्शन किया। लकड़ी के खंभे पर जब इन नन्हे कलाकारों ने असाधारण संतुलन, फुर्ती और कठिन करतबों का प्रदर्शन किया, तो मैदान में मौजूद दर्शक विस्मय से भर उठे। जोश, अनुशासन और उत्कृष्ट तकनीक से सजी इस प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भावविभोर कर दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु स्वयं बच्चों की प्रतिभा से अत्यंत प्रभावित हुईं। उन्होंने न केवल उनके साहस, कला और अनुशासन की मुक्तकंठ से प्रशंसा की, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी प्रदान कीं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि की नींव नारायणपुर जिले के उन दुर्गम और बीहड़ इलाकों में पड़ी है, जहां बुनियादी सुविधाएं सीमित हैं। कुटूर, करपा और परपा जैसे सुदूर वनांचलों से निकलकर इन बच्चों ने यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा न तो संसाधनों की मोहताज होती है और न ही भौगोलिक सीमाओं की।

कलेक्टर ने किया सुलेंगा, मड़ागड़ा व कन्हारगांव के आश्रम, छात्रावास, स्कूल व स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण

व्यवस्थाओं की समीक्षा कर भवन मरम्मत व आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने दिए निर्देश

नारायणपुर। कलेक्टर नम्रता जैन ने सुलेंगा, मड़ागड़ा एवं कन्हारगांव में स्थित आश्रम, छात्रावास, स्कूल तथा स्वास्थ्य केंद्रों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मूलभूत सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत सुलेंगा बालक आश्रम छात्रावास से की गई, जहां कलेक्टर ने बच्चों के आवासीय कक्ष, शौचालय, पेयजल, रसोई सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। छात्रावास अधीक्षक द्वारा नए भवन, बिस्तर-गद्दा एवं प्यून की मांग रखी गई, जिस पर कलेक्टर ने सीईओ जनपद पंचायत को प्राक्कलन तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही परिसर में निर्माणाधीन शौचालय को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गए।

इसके पश्चात कलेक्टर ने हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर सुलेंगा का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने गर्भवती महिलाओं से संवाद कर केंद्र के सेवाओं की जानकारी ली तथा उपस्थित आरएचओ से मरीजों की स्थिति, सामान्य बीमारियों एवं दवाइयों की उपलब्धता पर चर्चा की। स्टाफ द्वारा भवन मरम्मत की मांग किए जाने पर संबंधित अधिकारी को आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए। इसके बाद कलेक्टर नम्रता जैन ने सुलेंगा के प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों का अवलोकन कर छात्रों की संख्या, शिक्षकों की उपस्थिति, भवन की स्थिति, पेयजल एवं शौचालय सुविधाओं की जानकारी ली। परिसर में निर्माणाधीन शौचालय भवन को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत कर पढ़ाई एवं स्कूल की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर दो बालिकाओं ने गोंडी भाषा में मधुर गीत प्रस्तुत किया, जिससे प्रसन्न होकर कलेक्टर ने बच्चों की सराहना की तथा सभी विद्यार्थियों को चॉकलेट वितरित की। इसके पश्चात उन्होंने मड़ागड़ा एवं कन्हारगांव के विद्यालयों का भी निरीक्षण कर आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को सुधारात्मक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ओरछा जनपद सीईओ लोकेश्वर चतुर्वेदी, सरपंच, सचिव सहित अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

श्री श्री बाबा विश्वनाथ मंदिर का मनाया जा रहा है तृतीय स्थापना दिवस

किरंदुल। किरन्दुल वार्ड क्रमांक 08 मेन मार्केट स्थित श्री श्री बाबा विश्वनाथ शिव मंदिर की तृतीय स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया जा रहा हैं। इस तीन दिवसीय आयोजन के प्रथम दिवस कलश यात्रा निकाली गई एवं द्वितीय दिवस पूजा पंचामृत, रुद्राभिषेक एवं हवन किया गया। जिसमें स्थानीय लोगों की सहभागिता देखने को मिली। आयोजन कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया तीन दिवसीय आयोजन के तीसरे दिन सोमवार दोपहर 01 बजे महाभंडारे के साथ स्थापना दिवस की समाप्ति होगी।

जनजातीय परंपराओं और संस्कृति पर आधारित भव्य प्रदर्शनी का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने किया अवलोकन

जगदलपुर। बस्तर पंडुम के शुभारंभ समारोह में शामिल होने पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर की माटी की सुगंध और आदिम जनजातीय परंपराओं पर आधारित भव्य प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान राष्ट्रपति ने विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण कर वहां मौजूद स्थानीय निवासियों और कारीगरों से प्रदर्शित कलाओं एवं उत्पादों की विस्तृत जानकारी ली। राष्ट्रपति मुर्मु ने बस्तर पंडुम को आदिवासी विरासत को संजोने और उसे पूरी दुनिया तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने एक-एक कर ढोकरा हस्तशिल्प कला, टेराकोटा, वुड कार्विंग, सीसल कला, बांस कला, लौह शिल्प, जनजातीय वेश-भूषा एवं आभूषण, तुम्बा कला, बस्तर की जनजातीय चित्रकला, स्थानीय व्यंजन तथा लोक चित्रों पर आधारित आकर्षक प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इसकी सराहना की। बस्तर पंडुम आयोजन स्थल पर जनजातीय हस्तशिल्प आधारित प्रदर्शनी में ढोकरा कला से निर्मित सामग्रियों का विशेष प्रदर्शन किया गया। इस हस्तशिल्प में लॉस्ट वैक्स कास्टिंग तकनीक का उपयोग किया जाता है। यह भारत की प्राचीन जनजातीय धातु कला है, जिसमें प्रकृति, देवी-देवताओं और ग्रामीण जीवन की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। ढोकरा की प्रत्येक कृति पूर्णतः हस्तनिर्मित होती है। इसके निर्माण में समाड़ी मिट्टी, मोम वैक्स, तार, पीतल, गरम भट्टी एवं सफाई मशीन का उपयोग किया जाता है। स्थानीय टेराकोटा कला को दर्शाती मिट्टी से बनी आकृतियों का भी प्रदर्शन किया गया, जो लोक आस्था, ग्रामीण जीवन और पारंपरिक विश्वासों को सजीव रूप में प्रस्तुत करती हैं। प्रदर्शनी में लकड़ी की नक्काशी कला के माध्यम से सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं की जीवंत अभिव्यक्ति देखने को मिली। लकड़ी की मूर्तियां बनाने के लिए सागौन, बीजा, सिवनर एवं साल लकड़ी का उपयोग किया जाता है, जिसमें कारीगर पारंपरिक औजारों से बारीक आकृतियां उकेरते हैं।

ठाकुर अनुकूलचंद्र की 138 वां जन्मोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

किरंदुल। किरन्दुल सत्संग मंदिर में ठाकुर अनुकूलचंद्र की 138 वां जन्मोत्सव मनाया गया। जिओ और जीने दो के सिद्धांत का अनुसरण करते हुए श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम की शुभारम्भ की गई। जन्मोत्सव में सर्वप्रथम रविवार प्रातः 05:30 बजे उषा कीर्तन, 06:30 बजे सामूहिक विनती प्रार्थना अमिय ग्रंथादी पाठ, 07 बजे संगीतांजली तत्पश्चात 11 बजे गाजे बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई। ठाकुर अनुकूलचंद्र के सैकड़ों अनुयायी उक्त उत्सव में सम्मिलित हुए।

हिंसा छोड़ शांति की मार्ग पर 21 नक्सली, सुकमा में बड़ा आत्मसमर्पण

सुकमा। नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में शांति और विकास की दिशा में एक बड़ी सफलता सामने आई है। जिले में सक्रिय 76 लाख रुपये के इनामी 21 नक्सली कैडरों ने हथियारों सहित आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है। यह आत्मसमर्पण जिला पुलिस सुकमा और एसआईबी के संयुक्त प्रयासों से पूना मार्गम - पुनर्वास से पूर्ण जीवन अभियान के तहत हुआ । आत्मसमर्पण करने वालों में 03 डीवीसीएम, 05 एसीएम और 13 पार्टी सदस्य शामिल हैं। खास बात यह है कि इनमें 14 महिला नक्सली भी शामिल हैं, जो नक्सल संगठन के भीतर आ रहे तेज बिखराव की ओर संकेत करता है । घातक हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद जमा - आत्मसमर्पण के दौरान नक्सलियों द्वारा एच-47, स्ल्क, ढ्ढह्रस्र, क्चन्रु लॉन्चर सहित कई अत्याधुनिक हथियार और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद पुलिस के समक्ष जमा किया गया। यह नक्सल नेटवर्क की सैन्य क्षमता पर बड़ा झटका माना जा रहा है । विकास और भरोसे से टूटा नक्सल आधार - पुलिस अधिकारियों के अनुसार, नए सुरक्षा कैंपों की स्थापना, सड़क कनेक्टिविटी, प्रभावी नक्सल विरोधी अभियानों और सरकारी योजनाओं की जमीनी पहुंच से नक्सलियों का प्रभाव क्षेत्र लगातार सिमटता जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में शासन-प्रशासन के प्रति बढ़ते विश्वास ने नक्सल संगठन की जड़ों को कमजोर किया है । पुनर्वास नीति का मिलेगा पूरा लाभ - आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों को छत्तीसगढ़ शासन की नीति के अनुसार पुनर्वास, आर्थिक सहायता और अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी, जिससे वे सम्मानजनक जीवन की ओर आगे बढ़ सकें।

पुलिस की अपील - हथियार छोड़ें, भविष्य संवारें - सुकमा पुलिस अधीक्षक ने इसे जिले में शांति स्थापना की दिशा में निर्णायक कदम बताते हुए शेष सक्रिय नक्सलियों से हिंसा और विनाश का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण करने की अपील की है। वहीं, बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि यह सफलता सुरक्षा बलों की सतत कार्रवाई, विकास की बढ़ती पहुंच और जनता के भरोसे का परिणाम है।

संक्षिप्त समाचार

स्टॉफनर्स भर्ती के लिए जारी समय-सारणी में संशोधन 10 से 16 फरवरी तक दावा-आपत्ति आमंत्रित

बिलासपुर। स्वास्थ्य संचालनालय रायपुर द्वारा स्टॉफनर्स की भर्ती के लिए जारी प्रक्रिया के अंतर्गत अनुभव प्रमाण पत्र एवं दावा-आपत्ति के लिए जारी समय-सारणी में संशोधन किया गया है। इसके अंतर्गत संभाग स्तरीय समिति द्वारा अनुभव प्रमाण पत्र के संबंध में 10 से लेकर 16 फरवरी तक दावा-आपत्ति आमंत्रित किया गया है। प्राप्त दावा आपत्ति का निराकरण कर 20 फरवरी 2026 तक संचालनालय भेजा जायेगा। संयुक्त संचालक स्वास्थ्य विभाग बिलासपुर ने बताया कि संभाग स्तरीय समिति द्वारा अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत अनुभव प्रमाण पत्र का सत्यापन कर लिया गया है। संबंधित सीएमओ से अनुभव प्रमाण पत्रों की जानकारी कार्यालय को प्राप्त हुई थी। इस सूची को संचालनालय स्वास्थ्य विभाग की वेबसाईट -डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट सीजीहेल्थ डॉट एनआईसी डॉट इन में 9 फरवरी को अपलोड किया गया है। इस सूची पर संभागीय स्वास्थ्य संचालक कार्यालय द्वारा 10 से 16 फरवरी तक दावा आपत्ति आमंत्रित किया गया है। संभाग स्तरीय समिति अभ्यर्थियों से प्राप्त दावा आपत्ति का निराकरण करके 20 फरवरी को सूची संचालनालय को प्रस्तुत करेंगे। संचालनालय द्वारा 3 मार्च 2026 को एकजाई मेरिट सूची जारी किया जायेगा। मेरिट में दावा-आपत्ति हेतु 5 से 10 मार्च 2026 तक अभ्यर्थियों द्वारा आवेदन संचालनालय स्वास्थ्य सेवाओं में प्रस्तुत कर सकेंगे। अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत दावा-आपत्ति का निराकरण के बाद मेरिट सूची का प्रकाशन विभागीय वेबसाईट में 19 मार्च 2026 तक अपलोड किया जायेगा।

संभाग स्तरीय रोजगार मेला 12 एवं 13 फरवरी को

बिलासपुर। राज्य के युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए 12 एवं 13 फरवरी को सवेरे 10 बजे से शाम 4 बजे तक आईटीआई कोनी में संभाग स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। 26 निजी कंपनियों द्वारा फायनेंस, एग्रीकल्चर, मैनेजमेंट, मेडिकल व फार्मेसी, सोलर एनर्जी, टेक्सटाईल इंडस्ट्री, सर्विस टेक्निकल, मेनुफैक्चरिंग, सिक्यूरिटी सर्विस, इंश्योरेंस, आटोमोबाईल, ज्वेलेरी जैसे क्षेत्रों में लगभग 4 हजार पदों पर भर्ती की कार्यवाही की जाएगी। रोजगार मेले में शामिल होने के लिए रोजगार पंजीयन, ई रोजगार पोर्टल में आवेदक का ऑनलाईन मेला पंजीयन होना अनिवार्य है। इच्छुक आवेदक आधार कार्ड, फोटो, बायोडाटा एवं निर्धारित शैक्षणिक प्रमाण पत्र के साथ रोजगार मेले में शामिल हो सकते है। मेले में शामिल होने एवं रिक्त पदों की विस्तृत जानकारी 222.द्गद्वश्चद्यद्गब्ह्म्.ष्द्द.द्दश1.द्बठ्ठ एवं छत्तीसगढ़ रोजगार ऐप से प्राप्त कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार कार्यालय कोनी से भी संपर्क किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह का आयोजन 10 को

बिलासपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम का आयोजन 10 फरवरी को स्व. श्री बीआर यादव बहतराई स्टेडियम में किया जाएगा। विवाह कार्यक्रम में 175 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न कराया जाएगा। कार्यक्रम में प्रत्येक हितग्राही जोड़े को उपहार स्वरूप 35 हजार की राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही परिवहन हेतु 1 हजार एवं विवाह के लिए वस्त्र, मंगलसूत्र एवं श्रृंगार सामग्री भी दी जाएगी।

इंस्टाग्राम में फंसाकर शादीशुदा महिला को किया ब्लैकमेलिंग सुसाइड के बाद प्रेमी गिरफ्तार

बिलासपुर। ब्लैकमेलिंग से त्रस्त होकर दो बच्चों की मां के फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में पुलिस ने जुर्म दर्ज कर प्रेमी युवक को गिरफ्तार कर लिया है. सकरी थाना क्षेत्र के लाखासार निवासी राधेश्याम यादव ने बताया, 12 साल पहले उन्होंने गांव के रंजिता यादव से प्रेम विवाह किया था, उनके दो बच्चे हैं. 19 जनवरी की दोपहर 3 बजे उनकी पत्नी रंजिता यादव ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी. उन्होंने थाने में लिखित शिकायत करते हुए आरोप लगाया था. सोशल मीडिया इंस्टाग्राम में उनकी पत्नी रंजिता की तखतपुर खैरी निवासी सौरभ विश्वास पिता दीपक विश्वास से दोस्ती हो गई थी. बातचीत के दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गया. इसी दौरान उसने दोनों की मोबाइल में फोटो ले ली. उसके बाद वह उनकी पत्नी को फोटो सोशल मीडिया इंस्टाग्राम में वायरल कर बदनाम करने की धमकी देकर ब्लैकमेलिंग करने लगा. भय से उनकी पत्नी उसे 2 लाख रुपए दे चुकी थी. उसके बाद भी उसे पैसा देने के लिए युवक दबाव बना रहा था. 19 जनवरी को युवक ने पैसा भेजने के लिए उनके पत्नी मोबाइल में अपना बैंक एकाउंट व बार कोड भेजा था. पति ने मामले की लिखित शिकायत सकरी थाने में की है.

वाड्रफनगर में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न

बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

बलरामपुर। जिला शिक्षा अधिकारी श्री एम. आर. यादव के निर्देशानुसार शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, वाड्रफनगर के सभागार में विकासखंड वाड्रफनगर अंतर्गत हाई एवं हायर सेकेण्डरी विद्यालयों के प्राचार्य, शैक्षिक समन्वयक तथा अशासकीय संस्थाओं के प्रभारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा त्रैमासिक एवं अर्द्धवार्षिक परीक्षा के परीक्षा परिणामों की समीक्षा करते हुए आगामी बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। जिला शिक्षा अधिकारी ने समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को पेंशन प्रकरणों का तत्काल निराकरण करने, कर्मचारियों के सभी स्वत्वों की बकाया राशि एवं लंबित भुगतानों का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही डीफ एवं

इनऑपरेटिव बैंक खातों को तत्काल बंद कर राशि को चालान के माध्यम से जमा कराने के निर्देश भी दिए गए। छात्रवृत्ति से संबंधित सभी लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने तथा ई-केवाईसी लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु खाद्य विभाग से समन्वय करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान अपार आईडी जनरेशन में आ रही समस्याओं के संबंध में प्राचार्यों एवं शैक्षिक समन्वयकों को जन्म प्रमाण पत्र बनवाने की संपूर्ण प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया। सभी शैक्षिक समन्वयकों को अपने-अपने संकुल अंतर्गत पात्र छात्र-छात्राओं के जन्म प्रमाण पत्र हेतु प्राप्त आवेदनों को संकुल स्तर पर ही पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए, ताकि तहसील स्तर पर पालकों को एक ही दिन में जन्म प्रमाण पत्र जारी किया जा सके। शैक्षिक समन्वयकों द्वारा जानकारी दी गई कि 506 आवेदन फार्म पूर्ण कर तहसील कार्यालय में जमा किए जा चुके हैं, जिनका समन्वय कर शीघ्र निराकरण कराया जाएगा। इससे बच्चों के आधार कार्ड में सुधार कर अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं की अपार आईडी जनरेट की जा सकेगी। उक्त बैठक में विकासखंड शिक्षा अधिकारी वाड्रफनगर श्री श्याम किशोर जायसवाल, सहायक संचालक शिक्षा श्री रामपथ यादव, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री विनोद कुमार पंथ सहित विकासखंड के समस्त शासकीय विद्यालयों के प्राचार्य, शैक्षिक समन्वयक तथा अशासकीय संस्थाओं के प्रधानपाठक एवं प्राचार्य उपस्थित रहे।

आरसेटी बलरामपुर द्वारा 30 दिवसीय राजमिस्त्री प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ.........

बलरामपुर जिले में ग्रामीण युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में एक सशक्त पहल करते हुए, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया आरसेटी द्वारा जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन तथा समस्त टीम के समन्वित सहयोग से ग्राम डीपाडीह, विकासखंड शंकरगढ़ में 30 दिवसीय राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम 09 जनवरी से 07 फरवरी 2026 तक आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में विकासखंड कुसमी एवं शंकरगढ़ के महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत पंजीकृत हितग्राहियों का उन्नति पोर्टल में पंजीकरण कर उन्हें राजमिस्त्री प्रशिक्षण का लाभ प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का संचालन डोमेन स्किल ट्रेनर श्री रवि केशरी द्वारा किया गया। प्रशिक्षण अवधि

के दौरान ट्रेनर श्री केशरी द्वारा परीक्षार्थियों को एक कुशल राजमिस्त्री बनने से संबंधित तकनीकी दक्षताओं के साथ-साथ बैंकिंग की सामान्य जानकारी, ऋण सुविधा, बचत, तथा स्वरोजगार से जुड़ी दैनिक जीवन की महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गई। आरसेटी संचालक श्री पी. के. दास एवं फैकल्टी सुश्री तसनीम निकहत के द्वारा बैंकिंग विषयक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिवस राज्य स्तरीय टीम से ईडीपी सुश्री शालिनी गौतम एवं डोमेन असेसर श्री सतराम साहू द्वारा अंतिम मूल्यांकन भी किया गया। और सभी को शुभकामनाएं भी दी।

बिलासपुर स्टेशन पर वाणिज्य विभाग की त्वरित व मानवीय पहल से अस्वस्थ वरिष्ठ यात्री को समय पर मिली चिकित्सा सहायता

बिलासपुर। बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर आज वाणिज्य विभाग की स्पेशल टीम की त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई से एक अस्वस्थ वरिष्ठ यात्री को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराते हुए सुरक्षित राहत प्रदान की गई। संबंधित यात्री भिलाई से कोरबा की यात्रा कर रहे थे तथा बिलासपुर स्टेशन पर उन्हें कोरबा जाने के लिए ट्रेन बदलनी थी। इसी दौरान बिलासपुर रेलवे स्टेशन परिसर में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने से वे अचेत हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही वाणिज्य विभाग की स्पेशल सेल टीम ने तत्परता एवं सजगता का परिचय देते हुए तत्काल मौके पर पहुंचकर यात्री को स्टेशन स्थित आपातकालीन चिकित्सा कक्ष तक पहुंचाया तथा उनके परिजनों से शीघ्र संपर्क स्थापित

किया। चिकित्सकीय जांच में पाया गया कि यात्री का शुगर स्तर अत्यधिक कम हो गया था, जो गंभीर स्थिति थी। चिकित्सकों की निगरानी में उन्हें आवश्यक प्राथमिक उपचार एवं चिकित्सा सहायता प्रदान की गई, जिससे शीघ्र ही उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ। स्वास्थ्य में सुधार के पश्चात परिजनों के अनुरोध पर यात्री को पूर्ण सुरक्षा एवं देखरेख के साथ ट्रेन द्वारा उनके गंतव्य कोरबा के लिए रवाना किया गया। स्पेशल सेल टीम द्वारा की गई इस त्वरित, सजग एवं मानवीय कार्रवाई के परिणामस्वरूप कम समय में ही यात्री की स्थिति सामान्य हो सकी। यात्री एवं उनके परिजनों ने रेलवे प्रशासन एवं स्पेशल टीम की त्वरित सहायता, समर्पण और सेवा भावना के प्रति आभार व्यक्त किया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने टीम के सदस्यों की तत्परता, सजगता एवं मानवीय संवेदना की सराहना करते हुए कहा कि स्पेशल टीम आपातकालीन परिस्थितियों में अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए मानवीय सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा सरगुजा के नव नियुक्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सूची जारी किया गया

■ जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की सहमति से एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष महेंद्र रवि ने की घोषणा

अंबिकापुर । सरगुजा भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की सहमति से भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा सरगुजा के जिलाध्यक्ष महेंद्र रवि द्वारा अजा मोर्चा के नव नियुक्त जिला पदाधिकारी, जिला कार्यसमिति सदस्य एवं स्थायी आमंत्रित सदस्यों की सूची जारी की गई। यह सूची संकल्प भवन, भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जारी की गई। इस अवसर पर जिला महामंत्री विनोद हर्ष एवं श्रीमती अरुणा सिंह, संवाद प्रमुख रूपेश दुबे, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एससी मोर्चा अवधेश सोनकर, निलेश सिंह, संतोष दास सहित अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। नव पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष पद पर विनोद सारथी, चंद्रप्रकाश सोनवानी, कुसुमकांत, सुरेश सोनकर एवं महादेव सोनवानी, महामंत्री पद पर आर.डी.

चौहान एवं बबली नेताम, मंत्री पद पर श्रीमती सीमा कश्यप, निरेंद्र सारथी, प्रकाश गढ़वारी, शंकर राम रवि एवं रवि शंकर नायक, कोषाध्यक्ष पद पर प्रवीन नामदेव, सह-कोषाध्यक्ष पद पर अनिल सारथी, कार्यालय मंत्री पद पर नेहा सोनवानी, सह-कार्यालय मंत्री पद पर राजकुमार सारथी, मीडिया प्रभारी गौतम रवि, सोशल मीडिया प्रभारी अजीत कुमार चौधरी एवं मन की बात प्रभारी परमेश्वर सारथी बनाये गए । जिला कार्यसमिति सदस्य में मंजु कटघर, क्रांति सोनकर, महेन्द्र पासवान, प्रकाश झारिया, बबलु रवि, जोगेश्वर इन्द्रवार, भीखम गहिरवार, यशोदा सोनवानी, नरेश सारथी, मनमोहन मिर्ज, अजय रवि, मासूम सेमरिया, नंद राम, सुमक नायक, रोशन नायक, भोट राम, लुनन मिर्ज, देवनारायण सारथी, मंत्री सारथी, छगपाल मिर्ज, सुरेश मिर्ज, शीला रवि, रामदयाल चौहान, शिवभूषण सोनवानी, तामेश्वर चौधरी, विवेकानंद सोनवानी, भगत चौहान, धीरन रवि एवं राज बसोर, राजू कुमार, मोहन लाल, संजय रवि और केते सारथी को शामिल किया गया है । इस प्रकार स्थायी आमंत्रित सदस्यों में भारत सिंह सिसोदिया, अवधेश सोनकर, नकुल सोनकर, जीवबंधन सोनवानी, राधा रवि, ध्रुव रवि, अशोक सोनवानी, राकेश दिवाकर एवं वर्षा सोनवानी हैं ।

बिलासपुर के बाल कलाकार मास्टर तनिष्क वर्मा का राष्ट्रीय मंच पर जलवा

■ 15 फरवरी को विश्वप्रसिद्ध लिंगराज मंदिर, भुवनेश्वर में देंगे प्रस्तुति

■ छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक प्रतिभा को देशभर में दिला रहे पहचान

बिलासपुर। बिलासपुर की शान, 'छत्तीसगढ़ रत्न' से सम्मानित बाल कलाकार मास्टर तनिष्क वर्मा एक बार फिर प्रदेश का गौरव बढ़ाने जा रहे हैं। पिछले वर्ष महाकुंभ मेला प्रयागराज में अपनी भजन संध्या से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करने वाले तनिष्क इस वर्ष 15 फरवरी 2026 को ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर स्थित विश्वप्रसिद्ध लिंगराज मंदिर में अपनी प्रस्तुति देंगे। मात्र 10 वर्ष की आयु में महाकुंभ प्रयागराज और अब लिंगराज मंदिर जैसे राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आध्यात्मिक मंचों पर प्रस्तुति देकर तनिष्क वर्मा ने न केवल बिलासपुर का गौरव बढ़ाया है बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक प्रतिभा को भी देशभर में स्थापित किया है। उनकी इस उपलब्धि को प्रदेश की कला-संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

उभरता नन्हा कलाकार तनिष्क छत्तीसगढ़ की शान-उपमुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने तनिष्क को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा प्रदेश का मान बढ़ाने पर सराहना व्यक्त की। वहीं बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने बधाई संदेश में ओडिशा का आभार प्रकट करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के बाल कलाकार को आमंत्रित कर उसका उत्साहवर्धन करना दोनों राज्यों के सांस्कृतिक संबंधों को और सुदृढ़ करता है।लिंगराज मंदिर के सचिव श्री शरद मिश्रा एवं मुंबई निवासी श्री दया वर्मा द्वारा मास्टर तनिष्क वर्मा को भजन संध्या के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।नन्ही उम्र में आध्यात्मिक संगीत के माध्यम से राष्ट्रीय मंचों पर अपनी पहचान बना रहे तनिष्क वर्मा आज छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत के सशक्त प्रतिनिधि के रूप में उभर रहे हैं। ज्ञात हो कि मास्टर तनिष्क वर्मा बिलासपुर निवासी संजय- विनीता वर्मा के सुपुत्र है।

आंगनवाड़ी भवन पूर्ण होने से पहले हुआ जर्जर चढ़ा भ्रष्टाचार की भेंट आंगनबाड़ी भवन नहीं होने से........

किराए के मकान में संचालित हो रहा आंगनबाड़ी केंद्र

सरगुजा। सरगुजा जिले का एक ऐसा ग्राम पंचायत जो आज भ्रष्टाचार का गढ़ बन गया है सरपंच सचिव के द्वारा निर्माण कार्य किए बिना ही लाखों रुपए राशि गबन कर लिया गया है। इस ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार का एक से बढ़कर एक कारनामे सरपंच सचिव के द्वारा गढ़ी जा रही है । दरअसल पुरा मामला आकांक्षी विकासखंड लखनपुर के ग्राम डांड केसरा का है। जहां वर्ष 2020 में निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत के द्वारा लाखों रुपए से आंगनबाड़ी भवन आधा अधूरा निर्माण किया गया। भवन निर्माण कार्य पूर्ण होने से पूर्व ही आंगनवाड़ी भवन जर्जर हो चुका है।वर्तमान सरपंच के द्वारा आधा अधूरे आंगनबाड़ी भवन को पूर्ण करने कार्य पुनः शुरू किया गया।परंतु राशि नहीं मिलने की स्थिति में कार्य को बंद कर दिया है। आंगनवाड़ी भवन पूर्ण नहीं होने की स्थिति में किराए के मकान में आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन किया जा रहा है।जिससे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका और बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने यह आरोप लगाया है कि ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव के द्वारा वर्ष 2020 में ढारोर पारा में आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण कार्य शुरू किया गया और आधा अधूरा निर्माण कार्य करके छोड़ दिया गया था कुछ दिनों तक गांव के ही ग्रामीणों के द्वारा लाखों रुपए से आधा अधूरा निर्माण हुए आंगनबाड़ी भवन में मवेशी बांधने का

उपयोग किया करते थे। यह भवन बनने से पहले ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है भवन में कई जगह दरारें आ गई है और भवन जर्जर हो चुका है। भवन के जर्जर होने के कारण यह भवन पूर्ण होने के बाद भी बच्चों के बैठने योग्य नहीं होगा।वर्तमान पंचायत सचिव राम गोपाल साहू के कहने पर वर्तमान सरपंच अजीत श्वाता के द्वारा निर्माण कार्य शुरू कराया गया पैसा नहीं मिलने के बाद सरपंच के द्वारा काम बंद कर दिया गया है जो आंगनवाड़ी भवन पूर्ण होने से पहले ही जर्जर हो चुका है। ग्रामीणों के द्वारा कई बार शिकायत भी की गई परंतु जांच और कार्रवाई के नाम पर अधिकारियों के द्वारा बार बार लीपा पोती कर दिया गया। अब देखने वाली बात होगी किस प्रकार की कार्रवाई इन भ्रष्टाचारियों सरपंच सचिवों के ऊपर की जाती है

खाना खाने के बाद जरूर खाइए इलायची

माना जाता है कि इलायची के बीज, तेल और अर्क में प्रभावशाली औषधीय गुण होते हैं, जो सेहत के लिए बहुत लाभकारी होता है। दो इलायची अगर आप खाना खाने के बाद खा लेते हैं तो फिर आपको इसको ढेरो फायदे होंगे। यह माउथ फ्रेशनर का भी अच्छा काम करता है। दो इलायची अगर आप खाना खाने के बाद खा लेते हैं, तो फिर आपको इसके ढेरो फायदे होंगे। यह माउथ फ्रेशनर का भी अच्छा काम करता है। तो चलिए आपको बताते हैं इलायची खाने के कितने फायदे हैं।

- इलायची के एंटीऑक्सीडेंट्स गुण होते हैं जो मांसपेशियों को तंदुरुस्त रखने में का काम करते हैं। लेकिन ज्यादा सेवन शरीर में गर्मी पैदा कर सकता है, जिससे पेट खराब हो सकता है।
- इलायची का इस्तेमाल पेट से जुड़ी परेशानियों से निजात पाने के लिए किया जाता है। यह स्वाद में तीखी होती है लेकिन फायदे बहुत होते हैं। इसके सेवन से दिल की सेहत भी अच्छी होती है। यह नींद की समस्या से भी निजात दिलाने का काम करती है।
- यह मसाला गुर्दे की पथरी को ठीक करने में भी मदद कर सकता है। इसके अलावा सर्दी जुकाम (cold cough) में इससे से बनी चाय आराम पहुंचाती है। तो आज से ही आप इसको अपनी डाइट का हिस्सा बना लीजिए।

दाल-बाटी बनाते समय रखें इन बातों का ध्यान

जब भी राजस्थान का नाम जहन में आता है तो वहां के कल्चर, रहन-सहन, खान पान और रेगिस्तान की तस्वीरें नजरों के सामने घूमने लगती हैं। राजस्थान अपने खान-पान की वजह से काफी चर्चा में रहता है। अगर वहां कि खास डिश की बात करें तो दाल बाटी चूरमा को हर कोई पसंद करता है। वैसे तो राजस्थान के हर घर में दाल बाटी चूरमा बनाया जाता है, पर अब इसका क्रेज देश भर के साथ-साथ विदेशों में देखा जाता है। अक्सर जब हम बाटी बनाते हैं तो या तो ये कच्ची रह जाती है या फिर इतनी टाइट हो जाती है, जिसे खाना बेहद मुश्किल हो जाता है। अगर आप भी इसी परेशानी का सामना करती हैं, तो इसका आज हम आपको इसका हल बताएंगे। दरअसल, आज हम आपको बाटी बनाने के कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप बिल्कुल राजस्थान के जैसी बाटी बना पाएंगी।

आटे का रखें ध्यान

बाटी बनाते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि इसका आटा नर्म ना हो। बाटी का आटा जितना टाइट होगा, आपकी बाटी उतनी ही अच्छी बनेगी। ऐसा करने से बाटी काफी कुरकुरी बनती है।

आटा गूंथते समय ना करें घी की कमी अक्सर लोगों को ऐसा कहते सुना जाता है कि वो ज्यादा घी नहीं इस्तेमाल करते। पर, अगर आप बाटी के लिए आटा गूंथ रहीं हैं तो उसमें घी की मात्रा का अच्छे से ध्यान रखें। घी की वजह से ही ये अंदर से सॉफ्ट बनेगी।

कुछ देर आटे को ऐसे ही रखें

बाटी बनाने के लिए जब आप आटा गूंथ लें तो इसको कम से कम तीस मिनट ऐसे ही रख दें। तब तक आप दाल की तैयारी कर सकती हैं।

घी में जरूर करें डिप

बाटी का स्वाद घी की वजह से ही काफी बढ़ जाता है। जब ये बन जाए तो इसे घी में जरूर डिप करें।

ज्यादा खाने से पेट हो रहा है भारी

अगर किसी पार्टी या फंक्शन में अपनी फेवरेट डिश को देखते ही आपका खुद पर कंट्रोल नहीं रहता है और आप उस डिश का लुत्फ उठाने के लिए उसे पेट भरने तक खाते रहते हैं, या यूं कहें कि भूख से भी ज्यादा खा लेते हैं। जिसका अहसास आपको अगली सुबह एसिडिटी और गैस की परेशानी के साथ होता है तो ये खबर खास आपके लिए ही है। अगर आपके साथ भी यह समस्या अक्सर होती रहती है तो पेट के भारीपन और गैस की समस्या को दूर करने के लिए इन हर्बल डिटॉक्स ड्रिंक की मदद लें। आइए जानते हैं कैसे।

तुलसी टी

तुलसी टी मेटाबॉलिज्म अच्छा बनाए रखने में मदद करती है। यह एक आयुर्वेदिक प्राकृतिक इम्यूनिटी बूस्टर होने के साथ नेचुरल डिटॉक्सिफायर के रूप में भी काम करती हैं। तुलसी जैसी स्ट्रॉंग हर्ब शरीर से सभी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद कर सकती है। जिससे शरीर का भारीपन दूर होता है और बॉडी हल्का महसूस करती है। इस चाय को बनाने के लिए सूखे और ताजे तुलसी के पत्ते दोनों का ही उपयोग किया जा सकता है।

अजवाइन टी

किचन में मौजूद अजवायन को अंग्रेजी में कैरम सीड्स के नाम से भी जाना जाता है। यह एक शक्तिशाली डिटॉक्सिफायर के रूप में काम करता है। अजवाइन के बीज तनाव को कम करके गैस और अपच से तुरंत राहत दिला सकते है।

हनी लेमन-जिंजर टी

शहद और नींबू का सेवन खाली पेट करने से लिपिड प्रोफाइल को ठीक करने में मदद मिल सकती है। जबकि अदरक का अर्क खाली पेट लेने से गैस की समस्या से राहत मिल सकती है। इस आधार पर कहा जा सकता है कि नींबू अदरक की चाय खाली पेट पीने से गैस और अपच से राहत दिला सकती है।

अदरक को लंबे समय तक स्टोर करने के तरीके

खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ चाय में भी लोग अदरक का इस्तेमाल करते हैं। अक्सर घर में हम अदरक को स्टोर करके रखते है, लेकिन कुछ समय बाद ये खराब होने लगते हैं। अगर आप भी अदरक के बढ़ते दामों के कारण इसे घर पर स्टोर करने की सोच रहे हैं, तो हम आपके लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं। जिन्हें आप अपनाकर अदरक को लंबे समय तक फ्रेश रख सकते हैं।

जब भी आप अदरक खरीदते हैं तो हमेशा ताजा खरीदें। इस बात का ध्यान रहें कि अदरक मुर्झाया हुआ न हों। साथ ही यह भी देखें कि अदरक गीला न हो। ताजा अदरक खरीदेंगे तो ये काफी समय तक खराब नहीं होगा।

अदरक को लंबे समय तक स्टोर करना चाहते हैं, तो उसे बिना छीले किसी एयर टाइट कंटेनर या जिप लॉक बैग में रखें। इससे अदरक ज्यादा दिनों तक चलेगा।

ताजा अदरक को फ्रिज में रखा जा सकता है, जिससे ये काफी समय तक खराब नहीं होता। तो उसे बिना छीले किसी एयर टाइट कंटेनर या जिप लॉक बैग में रखें। ध्यान रहे कि आप जिप लॉक बैग से हवा पूरी तरह से निकाल कर ही फ्रिज में रखें। इसके अलावा आप अदरक को सुखा करके भी स्टोर कर सकते हैं। अदरक को सुखाने के लिए आप ओवन या एयर फ्रायर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं और इसका पाउडर बना कर मसाले की तरह इस्तेमाल किया जाता है। वहीं अदरक को आप छीलकर और काटकर बेकिंग शीट पर रखें और टुकड़ों के सख्त होने पर फ्रीज में रख दें। इस अदरक को आप एक एयरटाइट कंटेनर में भी रख सकते हैं। अगर आप अदरक को कुछ दिनों के लिए सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो अदरक को बिना छीले पेपर बैग या पेपर टॉवेल में लपेटकर रख दें। अदरक को अच्छी तरह से धो लें और इसे छीलकर कांच के जार में डालें। अब इसमें नींबू का रस मिलाकर फ्रिज में रख दें, इससे अदरक जल्दी खराब नहीं होगा।

किचन की सफाई के साथ-साथ नलों की सफाई करनी भी जरूरी है। यदि रोजाना नल साफ न किए जाएं तो इन पर गंदे दाग जमने लगते हैं। यह दाग ऐसे होते हैं जो साफ करने पर भी नहीं जाते हैं। साबुन से रगड़-रगड़कर साफ करने पर यह कुछ देर की लिए गायब जरूर हो जाते हैं लेकिन साफ नहीं होते। ऐसे में आप नल के ऊपर जमे जिद्दी दागों की सफाई करने के लिए कुछ आसान से हैक्स की मदद ले सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में....

शीशे जैसे चमचमाते रहेंगे रसोई के नल

पहले साफ करें नल

नल पर कोई भी तरीका इस्तेमाल करने से पहले इसे किसी सूखे कपड़े से अच्छी तरह साफ कर लें। इस तरह इस पर लगी कोई भी चीज आसानी से साफ हो जाएगी।

बेकिंग सोडा और नींबू

साफ करने के बाद नल के ऊपर आप बेकिंग सोडा में नींबू मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। पेस्ट के साथ नल रगड़ें। 5-10 मिनट बाद नल पानी से धो लें। इस पर जमे जिद्दी दाग आसानी से निकल जाएंगे।

विनेगर

दाग हटाने के लिए आप विनेगर या फिर नींबू का रस इस्तेमाल कर सकते हैं। नल पर नींबू के रस और विनेगर का स्प्रे करें। 15-20 मिनट के लिए मिश्रण को ऐसे ही रहने दें। तय समय के बाद एक ब्रश की मदद से नल को साफ कर लें। दाग साफ हो जाएंगे।

टोमेटो सॉस

टोमेटा सॉस का इस्तेमाल करके भी नल के जिद्दी दाग छुड़वा सकते हैं। नल के ऊपर टोमेटो सॉस लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद टूथ ब्रश की मदद से इसे साफ कर लें। धोने के बाद सूखे कपड़े इन्हें साफ कर दें।

तेल लगाएं

जैसे ही नल से सारे दाग साफ हो जाएं तो आप उस पर तेल लगा दें। तेल लगाने के बाद अगर नल पर पानी पड़ता भी हो तो भी यह गंदा नहीं हो पाएगा।

तनाव और स्ट्रेस से राहत दिलाएगा भ्रामरी प्राणायाम

प्राणायाम सांसों की प्रैक्टिस होती है। जिसकी मदद से काफी सारी बीमारियों में राहत मिल सकती है। कपालभाति और अनुलोम-विलोम की तरह भ्रामरी प्राणायम होता है। जो कि सांस लेने के प्रैक्टिस है। भ्रामरी प्राणायाम को रोजाना करने से बॉडी को काफी सारे फायदे मिलते हैं। भ्रामरी प्राणायाम का नाम खास तरह ही मधुमक्खी के साउंड के नाम पर रखा गया है। सबसे खास बात कि भ्रामरी प्राणायाम की प्रैक्टिस कहीं पर भी की जा सकती है। फिर चाहे आप ऑफिस में बैठे हो या फिर घर में काम कर रहे हैं। तो चलिए जानें क्या है भ्रामरी प्राणायाम को करने के फायदे और भ्रामरी प्राणायाम को करने के स्टेप। भ्रामरी प्राणायाम ब्रीदिंग प्रैक्टिस है। जिसे करने से फ्रस्टेशन, एंजायटी, गुस्सा को दूर करने में मदद करता है। भ्रामरी प्राणायाम मधुमक्खी के साउंड के नाम पर रखा गया है। मधुमक्खी का ये साउंड में दिमाग को शांत करने वाले इफेक्ट होते हैं। इसीलिए इस प्राणायाम में मधुमक्खी के साउंड को निकाला जाता है। जिससे दिमाग और फोरहेड के बीच की नर्व्स को शांत होने में मदद मिलती है।

भ्रामरी प्राणायाम को करने के फायदे

- भ्रामरी प्राणायाम को करने से चिंता, गुस्सा और एंजायटी से फौरन राहत मिलती है।
- जो लोग हाइपरटेंशन से परेशान रहते हैं। ये प्राणायाम उनके दिमाग को शांत करने में मदद करती है।
- माइग्रेन जैसी समस्या को भी कम करने में मदद मिलती है।
- अगर चिंता की वजह से सिर में दर्द हो रहा है तो फौरन इस प्राणायाम को करें। ये सिर दर्द से राहत देगी।
- भ्रामरी प्राणायाम याददाश्त बढ़ाने और एकाग्रता बढ़ाने में मदद करती है।
- हाई ब्लड प्रेशर को भ्रामरी प्राणायाम की मदद से कम किया जा सकता है।
- मेडिटेशन करने में दिक्कत होती है तो सबसे पहले भ्रामरी प्राणायाम करें।

भ्रामरी प्राणायाम करने का तरीका

- किसी शांत, खुले, हवादार वातावरण में बैठ जाएं।
- अब आंखें बंद कर लें।
- दोनों हाथों की पहली उंगली को कानों और गाल के बीच मौजूद कार्टिलेज यानी उभरी हुई हड्डियों पर रखें।
- उंगलियों से हल्का सा दबाते हुए मुंह से आवाज निकालें।
- उंगलियों को बार-बार दबाएं और हटाएं। साथ ही मुंह से मधुमक्खी जैसा साउंड निकालते रहें।
- ये साउंड बंद मुंह से निकलेगा।
- दस-बीस सेंकड करने के बाद शांत हो जाएं और सामान्य अवस्था में लौट आएं।

बच्चे को हेल्दी और टेस्टी खाना खिलाएं

बचपन से ही खिलाएं

6 महीने के बाद से बच्चे को अनाज खाने की इजाजत मिल जाती है। ऐसे में जरूरी है कि पैरेंट्स बच्चे को हर चीज का टेस्ट कराएं। वैराइटी फलों के साथ ही वैराइटी सब्जियां और खाने को ट्राई करवाएं। छोटे बच्चे नई चीजों को देखकर मुंह में डालते हैं और टेस्ट लेते हैं। ऐसे में बचपन से ही उन्हें टेस्ट का ज्ञान हो जाएगा।

बच्चे करते हैं नकल

अगर पैरेंट्स ही हेल्दीऔर न्यूट्रिशयस फूड्स खाने से बचेंगे तो बच्चे को कैसे खिलाएंगे। इसलिए जरूरी है कि अपने बच्चे के लिए रोल मॉडल बनें। जो भी खाना आप खाएंगे बच्चे उसे खाने की जिद करेंगे। इसलिए बच्चों के साथ बैठकर ग्रेन, फ्रूट्स, वेजिटेबल्स खाएं। जिससे बच्चे आपकी नकल उतारें।

बच्चों को कराएं ग्रासरी शॉपिंग

बच्चों के साथ लेकर ग्रासरी शॉपिंग के लिए जरूर जाएं। जिससे बच्चे रंग-बिरंगी सब्जी और फ्रूट्स को देखकर अट्रैक्ट। अपने मन से उन्हें फ्रूट्स या सब्जी उठाने को बोलें जो उन्हें पसंद हो। इससे वो फूड्स की तरफ कनेक्ट होंगे।

घर में ना खिलाएं जंकफूड

बच्चों को हाइजीन के चक्कर में अक्सर मांए घर में ही जंकफूड बनाकर खिलाने लगती है। ये सबसे खराब तरीका है बच्चों की ईटिंग हैबिट बिगाड़ने का। इससे बच्चों को पता चल जाता है कि जंकफूड्स वगैरस घर में भी आसानी से मिल सकते हैं और वो हेल्दी चीजों को बिल्कुल नहीं खाते। उन्हें घर में जंकफूड बिल्कुल ना दें और केवल हेल्दी फूड्स के ही ऑप्शन दें। जिससे वो भूख लगने पर कुछ ना कुछ जरूर खाएगा।

खाने का टाइम फिक्स करें

बच्चे के नाश्ते, लंच, डिनर, स्नैक्स का टाइम फिक्स करके रखें। जिससे उन्हे पर्याप्त मात्रा में और सही तरीके का भोजन खिलाया जा सके।

धैर्य रखें

बच्चों को खाना खिलाते वक्त धैर्य रखें। धीरे-धीरे ही सही पर वो हेल्दी चीजों को खाना शुरू कर देंगे। बस थोड़ा धैर्य रखें क्योंकि बच्चे एक बार में ही सारी चीजों को नहीं खाने लगेंगे।

क्रीमी मशरूम की सब्जी

सामग्री :

200 ग्राम मशरूम, तेल, बारीक कटा लहसुन 8-10 कली, काली मिर्च कुटी हुई, फ्रेश क्रीम एक कप बटर, प्याज बारीक कटा हुआ, जायफल का पाउड एक चुटकी, बारीक कटी धनिया, गरम मसाला

बनाने की विधि

-सबसे पहले मशरूम को धोकर काट लें।

-अब किसी पैन में तेल डालकर गर्म करें।

-जब तेल गर्म हो जाए तो उसमे बटर डाल दें।

-8-10 कली लहसुन की कलियों को बारीक काट लें।

-बटर और तेल का मिक्सचर जब गर्म हो जाए तो लहसुन डालकर सुनहरा कर लें।

-अब तीन से चार प्याज को बारीक काट लें। और गर्म तेल में डालें।

-जब प्याज अच्छी तरह से सुनहरा हो जाए तो इसमे मशरूम डालकर फ्राई कर लीजिए।

-साथ में कुटी काली मिर्च, गरम मसाला डालकर मिक्स करें।

-नमक स्वादानुसार डालें और साथ में फ्रेश क्रीम डाल दें।

-जायफल घिस कर एक चुटकी डालें। बस अच्छी तरह से मिक्स करें और ऊपर से बारीक कटी धनिया से सजाएं।

-रोटी, नान या फिर लच्छे पराठे के साथ इसे सर्व करें।

ज्यादातर लोग खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए अचार डालते है, लेकिन कभी-कभी अचार डालने के कुछ समय बाद इसमें फंगस लग जाती है। जिससे उनकी सारी मेहनत पर पानी फिर जाता है। अगर आप भी इस समस्या से परेशान है तो चिंता न करें। क्योंकि आज हम आपको कुछ उपायों के बारे में बताएंगे जिन्हें अपनाकर आप अचार को फंगस लगने से बचा सकते हैं। तो चलिए जानते है उनके बारे में।

अचार में फंगस से बचाने के तरीके

इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप अचार डाल रहे है तो इस बात का ध्यान रखें कि अचार में तेल ज्यादा मात्रा में डालें,क्योंकि अचार में तेल पर्याप्त मात्रा में न होने के कारण यह जल्दी खराब हो जाता है। इतना ही नहीं अचार बनाते समय इस्तेमाल किए जाने वाले बर्तन अगर साफ न हो तो इसमें फफूंद लगने की संभावना बनी रहती है। अचार में इस्तेमाल होने वाले फलों और सब्जियों के दागदार होने पर भी फंगस लग सकता है।

अचार भरने में बरतें सावधानी

अचार को लंबे समय तक चलाने के लिए इसे चीनी मिट्टी या कांच के बर्तन में डालें। स्टील के बर्तन और प्लास्टिक के डिब्बों में अचार स्टोरेज करने से बचें। वहीं दूसरी ओर प्लास्टिक के जार में अचार रखना सेहत के लिए अच्छा नहीं होता।

सामग्री की मात्रा का रखें ध्यान

अचार में डाले जाने वाले मसालों की मात्रा सही होनी चाहिए। अचार के मसालों में नमी रह जाने से भी अचार जल्दी खराब हो सकता है। इसीलिए अचार बनाने से मसालों को पहले थोड़ा भून लें या धूप में रखकर नमी निकाल दें। इसी तरह मीठे अचार के लिए चाश्नी सही बनानी चाहिए। नमक की मात्रा सही ना होने पर भी अचार जल्दी खराब होने का खतरा रहता है।

ये है अचार रखने का सही तरीका

जब अचार बन जाए तो 3 दिन के लिए उसे एक साफ मलमल के कपड़े से ढककर धूप में रखें।

प्लॉट खरीदते समय वास्तु के नियमों का रखें खास ध्यान

वास्तु के अनुसार, घर बनवाने के लिए प्लॉट करते समय वास्तु के नियमों का जरूर पालन करना चाहिए। इन नियमों को नजरअंदाज करने पर घर की नेगेटिविटी बढ़ती है और परिजनों को जीवन में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इसलिए प्लॉट खरीदते समय वास्तु दोषों से बचने के लिए कुछ खास बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। इससे घर में खुशहाली आएगी और सुख-समृद्धि में बढ़ोत्तरी होगी। चलिए जानते हैं प्लॉट खरीदते समय वास्तु के किन नियमों का पालन करना चाहिए?

जमीन का आकार: वास्तु के अनुसार, वर्गाकार या आयताकार जमीन पर मकान बनवाना बेहद शुभ होता है। यह घर के सदस्यों के सुख-सौभाग्य में वृद्धि करता है। वृत्ताकार आकार की भूमि पर घर बनाना शुभ नहीं होता है। व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए वृत्ताकार भूमि का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसी तरह से त्रिभुजाकार जमीन पर घर बनाने से धन हानि होता है और व्यक्तियों का जीवन बाधाओं से घिर जाता है।

दिशा को ना करें अनदेखा: वास्तु शास्त्र के अनुसार, जमीन खरीदते समय इस बात पर ध्यान दें कि मकान का मुख्यद्वार उत्तर या पूर्व दिशा में हो। इसके अलावा ईशान कोण यानी उत्तर पूर्व दिशा की ओर बना मकान भी बेहद शुभ माना जाता है। साथ मकान का मुख्यद्वार दक्षिण दिशा में ना हो।

ऐसी जगह ना लें जमीन: मकान बनाने के लिए भूमि खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि वहां कभी भी श्मशान ना रहा हो। साथ ही अस्पताल और पुलिस थाने के पास जमीन लेने से बचना चाहिए। ऐसा करने से घर में सुख-शांति बाधित रहती है।

प्लॉट की मिट्टी: वास्तु के अनुसार, लाल, भूरी और पीली मिट्टी पर मकान बनवाना शुभ होता है। इस मिट्टी में घर पर पेड़-पौधे आसानी से लग जाते हैं।

शादी-विवाह में मालवाहकों पर भरकर ढोई जा रही सवारियां, अगला हादसा किसकी बारी

कवर्धा। जिले के पंडरिया क्षेत्र में हुए सेमरहा कांड की भयावह यादें लोगों के जेहन से नहीं उतरी हैं। उस दर्दनाक हादसे में कई परिवार पूरी तरह उजड़ गए थे। इसके बावजूद न तो प्रशासन ने सबक लिया, न ही पुलिस तंत्र ने स्थायी रोकथाम की कोई ठोस व्यवस्था की। नतीजा यह हुआ कि अगले ही वर्ष सरोदा डेम के पास एक और वाहन हादसे का शिकार हुआ, जिसमें फिर कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। अब जब शादी-विवाह का सीजन चल रहा है, स्थिति और ज्यादा चिंताजनक हो गई है। पैसा बचाने की होड़ में मालवाहक वाहनों का खुलेआम सवारी वाहन के रूप में उपयोग किया जा रहा है। बारात, रिश्तेदार और महिलाएं-बच्चे जान जोखिम में डालकर इन वाहनों में सफर कर रहे हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि ऐसे वाहन नगर क्षेत्र, पुलिस थाना और पुलिस कर्मियों के सामने से बेधड़क गुजर रहे हैं, लेकिन न कोई जांच, न चालानी कार्रवाई, न ही सख्ती दिखाई दे रही है। यह स्थिति केवल लापरवाही नहीं, बल्कि कानून की खुली अवहेलना और सिस्टम की विफलता को दर्शाती है। मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 66 (परमिट का उल्लंघन), 177 (सामान्य दंड), 184 (खतरनाक वाहन चलाना), 194 (अधिक सवारी) एवं 192 (बिना वैध परमिट संचालन) के तहत मालवाहक वाहनों में सवारी ढोना दंडनीय अपराध है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। स्थानीय लोगों का साफ कहना है कि यदि सेमरहा कांड के बाद यातायात नियमों को सख्ती से लागू किया गया होता, तो सरोदा डेम जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होती। विडंबना यह है कि हर हादसे के बाद अधिकारी मौके पर पहुंचकर सहानुभूति जताते हैं, लेकिन हादसे से पहले जिम्मेदारी निभाने कोई नजर नहीं आता। अब सवाल सीधे-सीधे प्रशासन और पुलिस व्यवस्था पर खड़े होते हैं– क्या शादी-विवाह सीजन को देखते हुए विशेष यातायात अभियान चलाया जा रहा है। क्या थाना प्रभारियों और यातायात पुलिस की जवाबदेही तय की गई है। या फिर हादसे के बाद औपचारिक बयान और दो मिनट का मौन ही सिस्टम की नीति बन चुका है। जब तक जिम्मेदार अधिकारियों पर ठोस कार्रवाई नहीं होगी, तब तक कबीरधाम की सड़कों पर मालवाहक नहीं, खुलेआम मौत दौड़ती रहेगी, और अगला हादसा किसकी बारी होगा–यह सवाल हर नागरिक के मन में बना रहेगा।

वार्षिकोत्सव में नीलू शर्मा एवं भरत वर्मा ने की शिरकत
रामपुर में वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह

डोंगरगांव नगर। विधानसभा क्षेत्र के रामपुर में शासकीय पुर्व माध्यमिक शाला एवं प्राथमिक शाला रामपुर के संयुक्त बैनरतले 16 वां वार्षिक उत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उक्त समारोह में नीलू शर्मा, अध्यक्ष पर्यटन बोर्ड छगशासन केबिनेटमंत्री दर्जा प्राप्त तथा भरत वर्मा, उपाध्यक्ष जिला सहकारी बैंक मर्यादित राजनांदगांव ने शिरकत कर विद्यार्थियों को मोमेंटो व मेडल प्रदान किया। समारोह में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम शिक्षा, संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण संबंधित गीत, कविता एवं नृत्य की प्रस्तुति दी। वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह के मुख्यअतिथि नीलू शर्मा, अध्यक्ष पर्यटन बोर्ड छत्तीसगढ़ शासन केबिनेटमंत्री दर्जा प्राप्त नीलू शर्मा थे। अध्यक्षता भरत वर्मा, उपाध्यक्ष जिला सहकारी बैंक मर्यादित राजनांदगांव ने की। विशेष अतिथि मनीष साहू उपाध्यक्ष जनपद पंचायत डोंगरगांव, भूवन साहू मंडल अध्यक्ष अर्जुनी, यतीश सिन्हा सरपंच, याददास साहू, गौरी रामटेके, समारिक निर्मलकर, दुधेराम साहू, द्वारिका तारम, रुपचंद साहू, बाबुलाल खोब्रागढे, खेमलाल सिन्हा, आनंद भोंडेकर, रामदयाल अरकरा, भागीरथी सिन्हा, संजय सिन्हा, किशन देशमुख एबीओ, जयनंदन साहू तीजन सिन्हा शामिल हुए। इस मौके पर प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को मोमेंटो, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर शासकीय पुर्व माध्यमिक शाला एवं प्राथमिक शाला रामपुर के शाला प्रबंधन समिति सदस्यगण, ग्राम समिति सदस्यगण, वार्ड पंचगण, गणमान्य नागरिकगण, पालकगण, ग्रामवासीजन सहित शाला के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संस्था प्रमुख एमडी वाल्दे ने की।

रात्रि में पेट्रोलिंग को बढाने एवं अवैध शराब बेचने वालों पर कार्रवाई की मांग

एसपी भावना गुप्ता से कांग्रेसियों ने की मुलाकात

बलौदा बाजार। रात्रि गश्त (पेट्रोलिंग) बढ़ाए जाने की मांग को लेकर विगत दिनों प्रवीण सेन अध्यक्ष शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बलौदा बाजार के नेतृत्व में नगर के पार्षदगण, वरिष्ठ नागरिकों एवं कांग्रेसजनों का एक प्रतिनिधिमंडल पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता से शिष्टाचार भेंट–मुलाकात हेतु पहुँचे। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने शहर में कानून–व्यवस्था को लेकर उनसे मार्गदर्शन प्राप्त किया तथा शहर में कानून के प्रति उनकी सतर्कता एवं दूरदर्शी सोच की सराहना की। प्रतिनिधिमंडल को विश्वास है कि उनके नेतृत्व में नगर की कानून व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल द्वारा प्रमुख रूप से यह मांग रखी गई कि नगर के मुख्य मार्गों के साथ–साथ चौक–चौराहों एवं सभी वार्डों में रात्रि गश्त (पेट्रोलिंग) बढ़ाई जाए, ताकि रात्रि के समय असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। इससे महिला सुरक्षा एवं नागरिक सुरक्षा में भी उल्लेखनीय सुधार संभव होगा।साथ ही नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों एवं ढाबों पर हो रही अवैध शराब बिक्री के विरुद्ध सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा गया।पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि पुलिस, प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों के आपसी सहयोग से शहर की कानून व्यवस्था को निरंतर बेहतर बनाने हेतु पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने जिला बलौदा बाजार पुलिस की नई पहल समाधान के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हेल्पलाइन नंबर 9479220392 पर कॉल अथवा व्हाट्सएप के माध्यम से नागरिक अपनी शिकायत या सूचना पुलिस को साझा कर सकते हैं। जिसमें पूर्ण गोपनीयता रखी जाती है। यह जिला पुलिस की एक सराहनीय पहल है।इस अवसर पर प्रमुख रूप से शेख़ सलमान (नेता प्रतिपक्ष, नगर पालिका बलौदा बाजार), सुभाष राव, सुरेश घृतलहरे, रविन्द्र नामदेव, चित्रेश्वर साहू, यशवंत वर्मा सहित अनेक कांग्रेसजन एवं पार्षद गण उपस्थित रहे।

अर्जुन नगर क्षेत्र से लापता तीन बालिकाएं सकुशल बरामद, चिल्ड्रन होम में रखा गया

दुर्ग। थाना सुपेला क्षेत्र अंतर्गत अर्जुन नगर कैंप–1, सुपेला की रहने वाली तीन बालिकाएं घर से नाराज होकर बिना बताए चली गई थीं। 7 फरवरी को परिजनों द्वारा सूचना दिए जाने पर थाना सुपेला में गुमशुदगी के संबंध में अपराध क्रमांक 221/2026 एवं 222/2026 कायम कर विधिवत विवेचना में लिया गया। बालिकाओं के गुम होने की सूचना प्राप्त होते ही दुर्ग जिला पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए , नगर पुलिस अधीक्षक सत्य प्रकाश तिवारी एवं उप पुलिस अधीक्षक बालक विरुद्ध अपराध चित्रा वर्मा के नेतृत्व में चार अलग–अलग टीमों का गठन किया गया। टीमों द्वारा क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन, गवाहों से पूछताछ एवं संभावित स्थानों पर लगातार पतासाजी की गई। साथ ही आरपीएफ, जीआरपी एवं चाइल्ड लाइन को भी सूचना देकर समन्वय स्थापित किया गया। प्राप्त सूचनाओं के आधार पर रेल्वे पुलिस द्वारा तीनों बालिकाओं को उसलापुर, जिला बिलासपुर से सकुशल दस्तयाब किया गया है। बालिकाओं को नियमानुसार सुरक्षित चिल्ड्रन होम में रखा गया है। सूचना मिलने पर परिजन दुर्ग पुलिस के साथ बिलासपुर के लिए रवाना हो गए हैं। उक्त कार्यवाही में नगर पुलिस अधीक्षक सत्य प्रकाश तिवारी एवं उप पुलिस अधीक्षक बालक विरुद्ध अपराध,चित्रा वर्मा के नेतृत्व में 4 टीम और सुपेला पुलिस स्टाफ, महिला एवं बाल सुरक्षा इकाई, तथा गठित विशेष टीमों की सक्रिय एवं समन्वित भूमिका सराहनीय रही।

शिवरतन शर्मा ने लाखो रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

बलौदा बाजार । विकास, विश्वास और आत्मनिर्भर ग्राम की दिशा में हम निरंतर प्रतिबद्ध हैं। यह बाते रविवार को भाटापारा विधानसभा के ग्राम मल्दी में लाखो के विकास कार्यों का लोकार्पण–भूमिपूजन कर शिवरतन शर्मा ने कही।शिवरतन शर्मा ने ग्राम मल्दी में बने सामुदायिक भवन एवं अटल सी.एस.सी केंद्र भवन का लोकार्पण एवं गौठान, कांक्रेटीकारण का भूमिपूजन किया। शर्मा ने ग्रामवासियों को सम्बोधित कर कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का संकल्प निरंतर आगे बढ़ रहा है।शिवरतन शर्मा ने आगे कहा कि भाजपा सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ निरंतर विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सडक़, शिक्षा, स्वास्थ्य सभी क्षेत्र में तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। शिवरतन शर्मा ने सभा को आगे सम्बोधित कर कहा कि किसान, युवा, मजदूर और महिला वर्ग सहित समाज के हर वर्ग को योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। भाजपा सरकार का उद्देश्य गरीबों और वंचितों को उनका अधिकार दिलाना है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अब हर गरीब परिवार को आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में महिलाओं और गरीबों के लिए विशेष योजनाएं लागू की जा रही हैं। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सहायता योजनाएं संचालित की जा रही हैं। कार्यक्रम में जनपद उपाध्यक्ष भोला वर्मा, मंडल अध्यक्ष पवन वर्मा, सरपंच भारती राकेश वर्मा, दीपक वर्मा, सहित जनप्रतिनिधि, ग्रामवासी, कार्यकर्त्ता एवं मातृशक्ति की गरिमामयी उपस्थिति रही।

विधायक रिकेश की अनूठी पहल : गर्भवती महिलाओं को मात्र 1 रुपये में होगी सोनोग्राफी, महाशिवरात्रि से शुरूआत

भिलाई नगर। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रिकेश सेन ने अपने क्षेत्र की महिलाओं के स्वास्थ्य और सुलभ चिकित्सा की दिशा में एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। विधायक सेन वैशाली नगर विधानसभा की गर्भवती महिलाओं के लिए मात्र 1 रुपये में सोनोग्राफी की सुविधा शुरू करने जा रहे हैं। इस योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना है।

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर शुरुआत–इस जन–कल्याणकारी योजना का शुभारंभ आगामी 15 फरवररी महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर किया जाएगा। यह सुविधा विशेष रूप से केवल वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले निवासियों के लिए ही होगी।इस योजना का लाभ उठाने के लिए एक व्यवस्थित प्रक्रिया निर्धारित की गई है जिसके अनुसार जीरो रोड शांति नगर स्थित विधायक कार्यालय में अवकाश दिवस छोड़ कर प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 11 बजे तक टोकन दिए जाएंगे। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए जरूरतमंदों को अपने साथ आधार कार्ड और चिकित्सक द्वारा दी गई रेफर पर्ची लाना होगा। दस्तावेजों की जांच के पश्चात विधायक कार्यालय से टोकन जारी किया जाएगा, जिसके माध्यम से मात्र 1 रुपये में सोनोग्राफी कराई जा सकेगी। इस योजना के विषय में जानकारी देते हुए विधायक रिकेश सेन ने कहा कि क्षेत्र की माताएं और बहनें स्वस्थ रहें, यही हमारा संकल्प है। अक्सर आर्थिक तंगी के कारण कई परिवार जरूरी जांचें नहीं करा पाते, जिसे ध्यान में रखते हुए हमने विधायक कार्यालय के माध्यम से यह सेवा शुरू करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि 15 फरवरी के दिन ही वैशाली नगर विधानसभा के लिए एक और योजना का शुभारंभ होने जा रहा है जिसमें मात्र 1 रूपये में डायलिसिस भी होगा।

प्रतिभाशाली बच्चे हुए सम्मानित, दी रंगारंग प्रस्तुतियां

ब्राइट स्टार पब्लिक स्कूल पांच रास्ता सुपेला और महात्मा ज्योतिबा फुले विद्यालय कोसा नगर का संयुक्त वार्षिक उत्सव आयोजित

भिलाइ। ब्राइट स्टार पब्लिक स्कूल पांच रास्ता सुपेला और महात्मा ज्योतिबा फुले विद्यालय कोसा नगर का सयुंक्त वार्षिक उत्सव महात्मा ज्योतिबा फुले विद्यालय प्रांगण मे रंगारंग कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ। आयोजन मे दोनों विद्यालय मे पढने वालो बच्चों ने अपनी अपनी प्रतिभा और मनमोहक प्रस्तुति से पालको और अथितिगणों को मन्त्रमुग्ध कर दिया! वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए निदेशक डॉ. नीलकमल सोनी ने कि वर्ष 1994-95 से ये दोनों विद्यालय श्रमिक बहुल क्षेत्र मे अपनी विशिष्ट पहचान बनाते हुए बच्चों की सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है!बच्चों को शिक्षा के साथ साथ बच्चों मे संस्कार,समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए अपनी समर्पण का भी बोध कराता है!

मुख्य अतिथि के रूप मे गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्ले ने इन बच्चों के साथ अपनी पुरानी यादो को साझा करते कहा कि बच्चों की हर संभव मदद के लिए उनका संस्थान हमेशा साथ रहेगा। शासकीय कन्या उत्तचर माध्यमिक शाला सुपेला की प्राचार्या सुनीता लक्ष्मी टिपले ने महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा महिला शिक्षा मे किए गए कार्यों को याद दिलाते हुए ऐसे ही महान बनने के लिए बच्चों को अपना आशीष वचन दिया!

सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने चेम्बर निभाएगा अहम भूमिका -

भिलाई चेम्बर प्रतिनिधिमण्डल मिला केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल खट्टर से, दिये अपने सुझाव

भिलाई नगर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, भिलाई इकाई प्रतिनिधिमण्डल केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित केंद्रीय बजट संवाद कार्यक्रम में शामिल हुआ। चेम्बर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमण्डल ने बजट के प्रावधानों के सफल एवं पारदर्शी क्रियान्वयन तथा सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर अपने सुझाव दिये। भसीन ने बताया कि संवाद कार्यक्रम के दौरान आज हमने केंद्रीय मंत्री खट्टर को प्रगतिशील बजट के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही चेम्बर द्वारा की गई ट्रिब्यूनल की मांग पर भी आभार जताया। भसीन ने कहा कि सरकार द्वारा योजनाएं तो बनाई जाती है लेकिन उनमें पारदर्शिता का अभाव होता है, चेम्बर के माध्यम से यह अभाव कम किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त चेम्बर सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा महिलाओं को उद्यम से जोडक़र उन्हें लखपति दीदी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

श्री भसीन ने बताया कि हमने केंद्रीय मंत्री श्री मनोहरलाल खट्टर को बजट के प्रावधानों के क्रियान्वयन हेतु चेम्बर की सहभागिता संबंधी सुझाव दिये, जिस पर उन्होंने इन सुझावों को केंद्रीय वित्तमंत्री तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।

आर सी एच पोर्टल 2.0 से परेशान हो रहा स्वास्थ्य अमला, सरलीकृत करने उठी मांग

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ महामंत्री ने शासन के समक्ष उठाई मांग

भिलाइ। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने भारत सरकार लोक स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण मंत्रालय व छत्तीसगढ़ सरकार लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से रिप्रोडक्टिव चाइल्ड हेल्थ (आर सी एच) पोर्टल 2.0 को सरलीकृत करने की मांग की है। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने इस संदर्भ में कहा कि पूर्व से प्रचलित आर सी एच पोर्टल 1.0 में फील्ड के स्वास्थ्य कर्मचारी सेवा देने के पश्चात गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं की स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण की सम्पूर्ण जानकारी की ऑनलाइन एंट्री करते थे। जिससे विभाग के आला अधिकारियों द्वारा समीक्षा की जाती थी। यहां गर्भवती महिलाओं की ट्रैकिंग,ड्यू लिस्ट, ड्रॉप आउट शिशुओं की जानकारी व छूटी हुई गर्भवती महिलाओं का ट्रैकिंग, प्रसव की अद्यतन जानकारी होती थी। उन्होंने कहा कि जो स्वास्थ्य कर्मचारी यह सेवाएं देते हैं और जो स्वास्थ्य पर्यवेक्षक इसकी निगरानी करते हैं, वो इनकी व्यवहारिक कठिनाई और वास्तविक स्थिति से परिचित होते हैं। इसके लिए अनमोल एप भी बनाया गया था। जिससे स्वास्थ्य कर्मचारी इसमें धीरे-धीरे परम्परागत रूप से प्रशिक्षित हो गये थे। लेकिन अब आर सी एच पोर्टल 2.0 लॉन्च किया गया है। जिसमें कई व्यवहारिक दिक्कतें आ रही हैं। उन्होंने कहा कि जिन संस्थाओं ने पोर्टल में जानकारी बनाई, उन्हें चाहिए था कि फील्ड में सेवा देने वाले स्वास्थ्य कर्मचारियों, समीक्षा करने वाले अमले स्वास्थ्य पर्यवेक्षक, एलएचव्ही और बी ईटीओ से इस संबंध में आवश्यक सुझाव और होने वाले कठिनाई को ध्यान में रखते। महामंत्री सैयद असलम ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में स्वास्थ्य अमले को इसके लिए मास्टर ट्रेनर व उच्च प्रशिक्षित लोगों से प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है। मंगलवार और शुक्रवार को निर्धारित संवर्ग के हितग्राहियों को सेवाएं प्रदान उसके बाद उसे ऑन लाइन पोर्टल में एंट्री करना और पोर्टल पर होने वाली व्यवहारिक कठिनाई से कर्मचारी मानसिक तनाव में आ जाते हैं।

क्योंकि विभाग द्वारा बार बार लक्ष्य के

चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश हेतु नाकाबंदी कर 6 आरोपियों को किया गया

विभिन्न थाना क्षेत्रों के 8 चोरी प्रकरणों का खुलासा

दुर्ग। जिले में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं की रोकथाम एवं आरोपियों की धरपकड़ हेतु रविवार को दुर्ग पुलिस द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों में संयुक्त टीम गठित कर नाकाबंदी एवं संदिग्धों की चेकिंग की गई।

कार्यवाही के दौरान तकनीकी साक्ष्य, मुखबिर सूचना एवं पूर्व प्रकरणों के विश्लेषण के आधार पूछताछ की गई, जिनसे अलग–अलग थाना क्षेत्रों में दर्ज चोरी प्रकरणों का खुलासा हुआ।टीम द्वारा संदेहियों पर सतत निगाह रखी जा रही थी। इसी दौरान सीसीटीवी कैमरों के फुटेज एवं मोबाइल लोकेशन के आधार पर मठ पुरैना, रायपुर क्षेत्र से घेराबंदी कर मनीष अमोरिया पिता विजय अमोरिया, उम्र 25 वर्ष, जितेन्द्र गायकवाड़ पिता मानिकचंद गायकवाड़, उम्र 23 वर्ष और रवि साहू पिता रिखीराम, उम्र 23 वर्ष को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा बताया गया कि वे मठ पुरैना रायपुर में इडली–डोसा बेचने का कार्य करते हैं तथा सुनसान मकानों की रेकी कर चोरी की घटनाएँ कारित करते थे।

फाईलेरिया से बचाव के लिए 10 फरवरी से सामूहिक दवा सेवन प्रशिक्षण का आयोजन

दल्लीराजहरा। फाईलेरिया से बचाव के लिए 10 फरवरी से 25 फरवरी तक सामूहिक दवा सेवन प्रशिक्षण का आयोजन उप स्वास्थ्य केन्द्र दल्लीराजहरा टाऊनशिप में किया गया है। स्वास्थ्य सुपरवाइजर रेखू राम साहू ने बताया नगर के सभी 27 वार्डों में 10 से 12 फरवरी को आंगनबाड़ी केन्द्र में बूथ लगाकर दवा सेवन कराया जायेगा। 13 से 22 फरवरी तक स्वास्थ्य कर्मचारीगण एवं मितानिनगण घर - घर जाकर छूटे हुए हितग्राहियों को दवाई खिलाई जावेगी ।23 से 25 फरवरी तक मापक राऊड होगा! फाईलेरिया मच्छर के काटने से होता है। बचाव के लिए उम्र के अनुसार डी.ई.सी. , ईवरमेट्रीन एवं एलबेन्डाजोल की दवाई सेवन कराई जायेगी। खाली पेट दवाई नहीं खिलाना है । गर्भवती माताओं, गंभीर बीमार व्यक्ति, दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों को दवाई नहीं खिलाना है। प्रशिक्षण में स्वास्थ्य कर्मचारीगण एवं मितानिनगण उपस्थित थे, नगरवासियों से निवेदन है कि अपने अपने क्षेत्र के आगनबाडी केन्द्र में जाकर फाईलेरिया से बचाव की दवाई अवश्य खायें।

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स ने बालोद जिले में रजिस्ट्री दरों मे कम करने की मांग की

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश मंत्री स्वाधीन जैन ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी को पत्र लिखा जिसमें बालोद जिले में भी रजिस्ट्री दरों में कम करने की मांग की गई है। स्वाधीन जैन ने बताया कि राज्य सरकार ने रायपुर और कोरबा जैसे प्रमुख जिलों में रजिस्ट्री दरों में पहले ही कमी कर दी है, लेकिन बालोद जिले में रजिस्ट्री शुल्क अत्यधिक होने से ग्रामीणों, किसानों और छोटे व्यापारियों को जमीन की खरीद-फरोख्त में भारी आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है। स्वाधीन जैन ने बताया बालोद जिला मुख्यतः कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर निर्भर है। यहां के लोगों के लिए जमीन की खरीद-फरोख्त एक महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधि है। उच्च रजिस्ट्री दरें इस प्रक्रिया को महंगा और कठिन बना रही हैं। यह न केवल आम आदमी के लिए समस्या है, बल्कि व्यापार और निवेश के लिए भी बाधक है। इसलिए बालोद जिले में रजिस्ट्री दरों को तत्काल कम किया जाए तथा अन्य जिलों के समान दरें लागू की जाएँ। जिससे ग्रामीणों, किसानों और व्यापारियों को आर्थिक राहत मिल सके। चैंबर ऑफ कॉमर्स ने आशा जताई है कि राज्य सरकार इस महत्वपूर्ण मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द आवश्यक कार्रवाई करेगी और बालोद जिले के लोगों को राहत प्रदान करेगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com